दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-44, अंक 310
कोटद्वार मंगलवार
21 मार्च 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

बेमौसमी बारिश से गेंहू की खड़ी फसल को नुकसान

रुद्रपुर। जिले में सोमवार को बेमौसमी बारिश होने से गेहूं की खड़ी फसलों को 15 से 20 फीसदी का नुकसान होने का अनुमान है। वहीं बारिश से जिले के तापामान में सात डिग्री तक की कमी आई है। इससे लोगों को एक बार फिर गर्म कपड़ों का साहारा लेना पड़ गया। मौसम वैज्ञानिकों ने मंगलवार को भी बारिश होने की संभावना जताई है। इससे कश्तकारों की चिंता बढ़ गई है। जीबी पंत विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ आरके सिंह ने बताया कि सोमवार को जिले में औसत 31.6 मिमी बारिश हुई। बारिश के चलते तापमान में सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस तक की कमी आई है। रविवार को जहां अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस था वहीं सोमवार को अधिकतम

तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश के चलते जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किसानों के मुताबिक गेहूं और लाही की फसल को 15 से 20 फीसदी तक नुकसान हुआ है।

खटीमा में 23.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। यहां गेहूं, लाही और आलू की फसल को 20 फीसदी तक का नुकसान हुआ है। किच्छा में दोपहर तक 12.50 मिमी बारिश हुई। बारिश ने गेहूं की फसल को जमीन पर लेटा दिया। इससे करीब 20 से 25 फीसदी का फसल का नुकसान होने का अनुमान है। लाही की फसल खेतों में कटी हुई पड़ी है। ऐसे में बारिश से खेतों में पानी भर गया और फसल बर्बाद हो गई। वहीं गन्ने के खेत में पानी भर जाने से छिलाई और निकासी नहीं हो पाएगी।

काशीपुर के कृषि विशेषज्ञ जितेंद्र कुमार ने बताया कि कई किसानों ने लाही की फसल काटकर खेतों में रखी हुई है। बारिश से उन्हें काफी नुकसान हुआ है। खड़ी फसल भी गिरने के आसार हैं। साथ ही गेहूं की फसल जो पककर तैयार है वह भी गिर सकती है, लेकिन जिन किसानों ने देर में बोये हैं उनकी फसलों के लिए यह बारिश फायदेमंद होगी। यदि लगातार बारिश ज्यादा समय तक हुई तो अधिक नुकसान होगा।

गूलरभोज में तेज हवा के साथ बारिश से फसल बर्बाद

सोमवार सुबह से लगातार बारिश ने लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज हवाओं के साथ बारिश से बालियों में आ चुकी गेहूं को धराशाई कर दिया। जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ आरके सिंह ने बताया कि मंगलवार तक बारिश रहने की संभावना है। इसके बाद मौसम साफ रहेगा। इधर, लगातार हो रही बारिश से निचले खेतों में जलभराव की संभावना बढ़ गई है।

क्षेत्र के किसानों का कहना है कि विगत वर्ष भी गेहूं की फसल बारिश की वजह से खराब हुई थी। इस बार गेहूं की अच्छी फसल की उम्मीद थी। इस समय गेहूं की बाली में दाना पड़ चुका है। फसल के गिरने से दाना बारीक होने का खतरा है। इससे गेहूं के उत्पादन में कमी आएगी। गेहूं की फसल गिरने से करीब 20 प्रतिशत का नुकसान हुआ है। साथ ही लाही की कटी फसल को नुकसान हुआ है। दोपहर 2 बजे तक गूलरभोज क्षेत्र में 12 मिमी बारिश हो चुकी है।

आदि गुरु शंकराचार्य के नाम पर हो एयरपोर्ट का नाम: हरीश रावत

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट का नाम आदि गुरु शंकराचार्य के नाम पर किए जाने पर जोर दिया। कहा कि 2016 में उनकी सरकार ने इस सम्बन्ध में बाकायदा प्रस्ताव तक केंद्र सरकार को भेज दिया था। ऐसा उन्होंने हरिद्वार के संत समाज के आदेश पर किया था। उन्होंने कहा कि कवि निशंक कवि हृदय हैं। इसलिए उन्होंने प्रस्ताव किया कि जौलीग्रांट देहरादून हवाई अड्डे का नाम अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर किया जाए। अटल बिहारी वाजपेई पक्ष और विपक्ष, एक समन्वयवादी सहिष्णु राजनीति के पक्षधर थे। मैं भी उनका बहुत सम्मान करता हूं। लेकिन वे इस मामले में 2016 में ही साफ कर चुके थे कि आदि गुरु शंकराचार्य के नाम पर नामकरण हो।

हल्द्वानी में बारिश, 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरा पारा

हल्द्वानी। उत्तराखंड में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के बाद सोमवार सुबह से ही हल्द्वानी में बारिश शुरू हो गई। इससे अधिकतम तापमान पांच डिग्री तक गिर गया। लोगों को एक बार फिर से सर्दी का अहसास होने लगा। लोगों को एक बार फिर से गर्म कपड़े निकालने पड़ गए। कई दिनों से उत्तराखंड में बारिश का मौसम बन रहा था। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से इसे लेकर सोमवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। पूरे प्रदेश में बारिश के आसार जताए गए थे। वहीं सोमवार सुबह से ही पूरे कुमाऊं में बारिश शुरू हो गई। लगातार बारिश जारी है। जिससे सुबह का अधिकत तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

आजादी के साथ जिम्मेदारी का भाव भी आता है: हरदीप पुरी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संसद सत्र से पहले सोमवार को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर उनके ब्रिटेन के भाषण को लेकर निशाना साधा और कहा कि आजादी के साथ जिम्मेदारी का भाव भी आता है। सोमवार सुबह मीडिया से बात करते हुए पुरी ने कहा, यदि कोई व्यक्ति देश के बाहर जाता है, तो उसे बोलने की आजादी है, लेकिन आजादी के साथ जिम्मेदारी का भी पालन करना चाहिए। हम दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र हैं, लेकिन राहुल गांधी यूके जाते हैं और कहते हैं कि भारतीय लोकतंत्र बुनियादी ढांचे पर हमले का सामना कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस को यह भी याद दिलाया कि इंदिरा गांधी के शासन में नागरिक स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया था। पुरी ने अपने बयान के पीछे राहुल गांधी के उद्देश्य पर सवाल उठाया और उनसे माफी मांगने को कहा। मंत्री ने कहा, यह केवल इंदिरा गांधी सरकार थी, जिसने आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया था।

हंगामे के चलते लोक सभा, राज्य सभा की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लंदन में दिए गए राहुल गांधी के बयान और अडानी मसले में जेपीसी गठन को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच तकरार एवं गतिरोध की वजह से लगातार छठे दिन भी संसद में कोई कामकाज नहीं हो पाया। हंगामे के कारण सोमवार को भी संसद के दोनों सदनों – लोक सभा और राज्य सभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। आपको बता दें कि, इन्ही मसलों पर हंगामे के कारण पिछले सप्ताह भी दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू ढंग से नहीं चल पाई थी।

प्रदेश की आबकारी नीति मंजूर, एक अप्रैल से सस्ती होगी शराब

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सोमवार को कैबिनेट बैठक संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश की आबकारी नीति 2023-24 को मंजूरी मिल गई। जिसके बाद अब प्रदेश में देशी-विदेशी शराब सस्ती हो जाएगी। उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड में शराब तस्करी को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है।

बता दें कि सचिवालय स्थित विश्वकर्मा भवन के वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में हुई बैठक में तीन प्रस्ताव आए। इसमें पहला प्रस्ताव कोसी और गोला नदी में चलने वाले वाहनों के फिटनेस शुल्क को लेकर था। जिस पर मुख्यमंत्री पूर्व में विचलन से निर्णय ले चुके थे। दूसरा प्रस्ताव एकल आवास के नक्शों के पास करने का था। जबकि तीसरा आबकारी नीति का था। तीनों प्रस्तावों को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई।

आबकारी नीति को मंजूरी

-एक अप्रैल से देशी-विदेशी शराब के दाम 100 से 300 रुपये तक सस्ते हो जाएंगे।
-उत्तराखंड और यूपी के बीच अलग-अलग ब्रांड की शराब के दामों के बीच 20 रुपये तक का अंतर रहेगा।
-गोवंश संरक्षण के लिए प्रति बोतल एक रुपये सेस लिया जाएगा।
-खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भी प्रति बोतल एक रुपये सेस लिया जाएगा।
-महिला कल्याण के लिए भी प्रति बोतल एक रुपये सेस लिया जाएगा

नक्शे पास कराने की प्रक्रिया आसान

-उत्तराखंड में एकल आवास के नक्शे पास कराने की प्रक्रिया आसान हुई।
-नक्शे के लिए एफिडेविट के साथ कर सकते हैं आवेदन।
-सात दिन के भीतर अगर प्राधिकरण ने आपत्ति ना लगाई तो शुरू कर सकते हैं भवन निर्माण।

वाहनों का फिटनेस शुल्क

-इसके तहत एक साल तक वाहनों की फिटनेस के लिए पुराना शुल्क लिया जाएगा।
-एक साल बाद वाहनों की फिटनेस के लिए नया शुल्क लागू होगा।

उत्तराखंड में फिर महसूस हुए भूकंप के झटके

देहरादून। उत्तराखंड में सुबह पांच बजकर 32 मिनट पर भूंकप का झटका महसूस किया गया। भूकंप का केन्द्र उत्तराखंड में पिथौरागढ़ से चालीस किलोमीटर दूर पश्चिमी नेपाल में रहा। फिलहाल किसी जन हानि की सूचना नहीं है।

नेशनल सेंटर फॉर सेस्मोलॉजी में दर्ज जानकारी के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 3.1 व गहराई पांच किलोमीटर रही। मार्च माह में अभी तक उत्तराखंड में दस से अधिक भूकंप महसूस किए जा चुके हैं। गत रविवार को भी उत्तराखंड में भूकंप का हल्की तीव्रता (2.1) का भूकंप आया था। जिसका केन्द्र जोशीमठ के पश्चिम उत्तर में 45 किलोमीटर दूर रुद्रप्रयाग में रहा।

बेमौसम बारिश से बढ़ी किसानों की चिंता

रबी फसलों को नुकसान, राज्यों की रिपोर्ट का इंतजार: केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई इलाकों में बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बारिश के अलावा पश्चिमी विक्षोभ की वजह से हुई ओलावृष्टि से गेहूं सहित रबी (सर्दियों) की फसलों को कुछ नुकसान हुआ है।

हालांकि, अभी राज्यों से रिपोर्ट मिलना बाकी है। कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि राज्य सरकारें राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) के तहत धन का उपयोग कर रही हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कुछ नुकसान तो हुआ है। हमें राज्य सरकारों से नुकसान के आकलन की रिपोर्ट नहीं मिली है। अगर राज्य सरकारें नुकसान का आकलन करने के बाद रिपोर्ट जमा करती हैं तो केंद्र सरकार राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) के तहत मुआवजा प्रदान करेगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ की वजह से पिछले कुछ दिनों में देश के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश और ओले गिरे हैं।

मौसम विभाग ने 20 मार्च को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर आंधी, बिजली, तेज हवा और ओलावृष्टि की संभावना जताई थी। इसके अलावा कल यानी 21 मार्च को उत्तराखंड में आंधी, बिजली, तेज हवा और ओलावृष्टि की बात कही थी। इससे पहले शनिवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की आशंका को देखते हुए पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश के किसानों को गेहूं और अन्य रबी फसलों की कटाई टालने की सलाह दी थी। पकी हुई फसलों को लेकर आईएमडी ने किसानों को कुछ राज्यों में सरसों और चना जैसी फसलों की जल्द से जल्द कटाई करने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर संग्रहीत करने की सलाह दी गई थी।

आईएमडी ने बयान में कहा कि तेज हवा और ओलों से खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।

नकल माफिया हाकम सिंह की करोड़ों की संपत्ति कुर्क, तहसीलदार रिसीवर नियुक्त

हरिद्वार। चर्चित उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) के परीक्षा घोटाले के मास्टरमाइंड हाकम सिंह की हरिद्वार में भी संपत्ति कुर्क हो गई। सोमवार को डीएम के आदेश पर तहसील प्रशासन ने संपत्ति को कुर्क की। डीएम ने संपत्ति का रिसीवर तहसीलदार को नियुक्त कर दिया।

एसटीएफ ने यूकेएसएसएससी परीक्षा घोटाले में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए दर्जनों आरोपियों को सलाखों पीछे पहुंचाया है, जबकि इसके मास्टरमाइंड हाकम सिंह को भी एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया था। हाकम के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में भी मुकदमा दर्ज किया गया था। परीक्षा घोटाले से करोड़ों रुपये की प्रदेशभर में

खरीदी गई संपत्तियों को चिन्हित करते हुए कुर्क करना शुरू कर दिया था।

हरिद्वार में भी रानीपुर झाल के पास एक प्लॉट, निर्माणाधीन भवन को चिन्हित किया गया। हाकम ने बिल्वकेश्वर निवासी एक व्यक्ति से यह संपत्ति खरीदी थी। विवेचक एसटीएफ के इंस्पेक्टर कुंदन सिंह राणा ने संपत्ति से संबंधित रिपोर्ट देहरादून डीएम को भेजी थी।

जहां से कार्रवाई का हवाला देते हुए एसटीएफ के एसएसपी आयुष अग्रवाल ने हरिद्वार डीएम विनय शंकर पांडेय को पत्र भेजा। इसके आधार पर जिलाधिकारी विनय शंकर पांडे ने हरिद्वार तहसीलदार को संपत्ति का रिसीवर नियुक्त किया। सोमवार को तहसीलदार रेखा आर्य ने टीम के साथ पहुंचकर संपत्ति को कुर्क कर लिया।

जिलाधिकारी के आदेश पर संपत्ति को कुर्क कर लिया गया है। मौके पर दो प्लॉट अलग-अलग हैं, जिन पर निर्माण कार्य चल रहा था। संपत्ति पर नोटिस भी चस्पा कर दिया गया है।

रेखा आर्य, तहसीलदार हरिद्वार

पटवारी पेपर लीक मामले में फरार 50 हजार का इनामी गिरफ्तार, अभ्यर्थियों को रटवाया था प्रश्नपत्र

हरिद्वार । हरिद्वार में पटवारी भर्ती परीक्षा के पेपर लीक प्रकरण में फरार चल रहे 50 हजार के इनामी आरोपी को एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी अजय सिंह के मुताबिक, आरोपी डेविड निवासी बाकरपुर लक्सर ने अभ्यर्थियों से लाखों रुपये वसूलने के बाद उन्हें बिहारीगढ़ स्थित रिजॉर्ट में प्रश्नपत्र रटवाया था। नाम सामने आने के बाद वह काफी तलाश के बाद भी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ रहा था। जिसके बाद उस पर आईजी गढ़वाल की तरफ से 50 हजार का इनाम घोषित किया गया था। रविवार शाम को पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

छलका पिता का दर्द, बोले

एक साल होने को, पर अब तक नहीं कर पाए बेटी का अंतिम संस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल अपने लिव-इन पार्टनर आफताब पूनावाला द्वारा हत्या की गई श्रद्धा वाकर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए। सोमवार को श्रद्धा के पिता विकास वाकर ने कोर्ट में सुनवाई के बाद कहा कि उनकी बेटी की हत्या का एक साल मई में पूरा हो जाएगा, लेकिन वह अभी तक उसका अंतिम संस्कार नहीं कर पाए हैं।

साकेत कोर्ट में श्रद्धा हत्याकांड की सुनवाई के बाद श्रद्धा के पिता ने कहा, 'मेरी बेटी की हत्या का एक साल मई में पूरा हो जाएगा और मैं उसका अंतिम संस्कार नहीं कर पाया हूं।' उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया, 'आरोपी को

मौत की सजा दिए जाने के बाद मैं अंतिम संस्कार करूंगा।'

उन्होंने यह भी कहा कि वह अंतिम संस्कार करने की स्थिति में नहीं हैं क्योंकि मुकदमे की समाप्ति के बाद ही उनकी मृत बेटी के शरीर के अंग उन्हें सौंपे जाएंगे। विकास वाकर ने यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि आरोपी को मौत की सजा दी जाए और समयबद्ध तरीके से सुनवाई हो।

उन्होंने कहा, 'हम मुकदमे के समापन के बाद ही अंतिम संस्कार करने की स्थिति में होंगे। यह एक सवाल है कि यह कब संपन्न होगा और मुझे अपनी बेटी के शरीर के अंग मिलेंगे।'

उधर, विकास वाकर की वकील सीमा कुशवाहा ने कहा कि निर्भया केस को अंजाम तक पहुंचने में सात साल लग गए। इस मामले को निर्भया मामले की तरह खत्म होने में सालों नहीं लगने चाहिए। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने आफताब अमीन पूनावाला के खिलाफ आरोपों पर अपनी दलीलें पूरी कर ली हैं और इस मामले में अब अगली सुनवाई 25 मार्च को होगी।

भगोड़े अमृतपाल सिंह का चाचा पंजाब में गिरफ्तार

चंडीगढ़,(एजेंसी)। फरार स्वयंभू कट्टरपंथी सिख उपदेशक और वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह के चाचा हरजीत सिंह और एक अन्य को पंजाब के शाहकोट इलाके से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) स्वप्न शर्मा ने सोमवार को यह जानकारी दी। उधर, पंजाब पुलिस ने तीसरे दिन भी सोमवार को भगोड़े अमृतपाल सिंह के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखी।

पुलिस ने अमृतपाल के सहयोगियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। अवैध हथियार मामले में उसके और उसके सहयोगियों के खिलाफ एक नई प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस ने राज्य में शांति और कानून व्यवस्था को भंग करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों की प्रतिबंधात्मक गिरफ्तारी की।

खालिस्तानी विचारधारा के वित्त को संभालने वाले दलजीत सिंह कलसी को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया। पिछले महीने अमृतसर के अजनाला इलाके में एक थाने का घेराव करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए अमृतपाल के सात साथियों को ब्यास की एक अदालत ने 23 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

फरार कट्टरपंथी नेता के चार सहयोगियों को सुरक्षा कारणों से असम के डिब्रूगढ़ ले जाया गया।

बर्निंग ट्रेन बनने से बची कामायनी एक्सप्रेस

बच्चों की बहादुरी से टला हादसा, पहिए में लग चुकी थी आग

वाराणसी, एजेंसी। यूपी के वाराणसी जिले में सेवापुरी स्टेशन के पास एक बड़ा रेल हादसा होने से टल गया। इस हादसे को बचाने में पटरी के किनारे खेल रहे बच्चों की बहादुरी काम आई, जिन्होंने गंभीर दृश्य देख शोर मचाया, जिस कारण समय रहते ट्रेन को रोक लिया गया।

दरअसल, वाराणसी से मुंबई की ओर जा रही कामायनी एक्सप्रेस के एस-5 कोच के पहियों में आग लग गई थी। उनमें से धुआं और आग की लपटें उठने लगी थी। गाड़ी नेवादा, डिगहर गांव के सामने पहुंची थी। बच्चों ने पहिए में लगी आग को देख शोर मचाया तो कपसेठी स्टेशन के पूर्वी आउटर सिग्नल के पोल नंबर 797 के पास यात्रियों ने चेन खींचकर ट्रेन को रोक दिया।

ट्रेन के रुकते ही अफरा तफरी मच गई और यात्री सामान के साथ कूद कर भागना शुरू कर दिए। बताया जाता है कि अप कामायनी एक्सप्रेस 4:13 पर सेवापुरी स्टेशन से जब गुजर रही थी तो उसी समय ट्रेन के उक्त डिब्बे से आग की लपटें निकलने लगी।

लोको पायलट एके सिंह ने बताया कि वॉकी टॉकी के सहारे सेवापुरी के स्टेशन मास्टर राज बहादुर सिंह ने भी उक्त कोच में धुआं निकलने की सूचना दी थी। ट्रेन के रुकने के बाद मौके पर ट्रेन में चल रहे रनिंग स्टाफ के राम निहोर और निहाल नामक कर्मचारी फौरन अग्निशामक सिलेंडर के साथ उक्त बोगी के पास पहुंचकर आग बुझाने की कार्रवाई में जुट गए।

इस बीच कपसेठी स्टेशन मास्टर अब्दुल असद की सूचना पर कपसेठी स्टेशन का भी रनिंग स्टाफ पहुंचा और आग पर काबू पाया। तब जाकर ट्रेन 5:15 पर घटना स्थल से रवाना होकर कपसेठी स्टेशन पहुंची, जहां पर पुनः उसकी जांच की गई।

सब कुछ ठीक होने पर 5:26 पर ट्रेन गंतव्य को रवाना हुई, इस तरह से 1 घंटे 5 मिनट ट्रेन रुकी रही। ट्रेन के पायलट और कपसेठी के स्टेशन मास्टर ने बताया कि उक्त कोच का ब्रेक ब्लॉक जाम होने के चलते यह घटना घटित हुई।

डीएम अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 104 शिकायतें आई

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में 104 शिकायतें आई जिनमें आपसी विवाद, परिवार विवाद, विद्युत कनेक्शन लगवाने, पढाई हेतु आर्थिक सहायता दिलाने, समाज कल्याण विभाग की पेशन लगवाने, एनएच रोड़ पर पुस्ता निर्माण करवाने, पेयजल कनेक्शन का बीजक माफ कराने सहित भूमि संबंधी कुछ शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें अधिकतर शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने जनसुनवाई में प्राप्त हो रहे पारिवारिक झगडे, मारपीट तथा दबंगों द्वारा मारपीट करने व झूठा मुकदमा दर्ज करवाने के प्रकरणों पर पुलिस विभाग के अधिकारियों को जांच करते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए। आर्थिक सहायता एवं समाज कल्याण की पेंशन के प्रकरणो पर जिला समाज कल्याण अधिकारी को कार्यवाही करते हुए संबंधित शिकायतकर्ता को भी सूचित करने के निर्देश दिए। स्थानीय जनप्रतिनिधि द्वारा ग्रामसभा कोटी में भूमि खूर्द–बुर्द करने तथा समाज की भूमि पर अतिक्रमण की शिकायतों पर उप जिलाधिकारी डोईवाला को कार्यवाही के निर्देश दिए।

सीएम धामी ने की शोक संवेदना व्यक्त

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को खटीमा के ग्राम बिडॉरा मझोला पहुंचकर प्रधान संघ प्रदेश अध्यक्ष भास्कर संभल की माता हीरादेवी संभल के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लक्ष्मण सिंह चौहान के ग्राम तिगरी स्थित आवास पर जाकर उनके पिता बहादुर सिंह चौहान के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अमाऊपहुंचकर पूरन सिंह राणा के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

सरकार सदन में सवालों का जबाब देने में असहज—विधायक नेगी

नई टिहरी। गैरसैंण सत्र से लौटे प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि सत्र में भाजपा सरकार विपक्ष के सवालों का जबाब देने में असहज दिखी। विधायक आदेश चौहान के विशेषाधिकार हनन के मामले में पुलिस की झूठी रिपोर्ट को पढ़े जाने व मामले को लेकर संवेदनहीनता के चलते विधानसभा अध्यक्ष को विरोध का सामना करना पड़ा।

सोमवार को कांग्रेस के जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार जनता पीसने का काम कर रही है। कांग्रेस ने सदन में बेरोजगारों की परेशानी, परीक्षाओं को हो रही निरंतर धांधलियों, महिलाओं की परेशानी, जोशीमठ के आपदा प्रभावितों के साथ न्याय न किए जाने, टिहरी बांध प्रभावितों के साथ खिलवाड़ किए जाने, टिहरी झील में बार्ज–मरीना बोट का संचालन न किये जाने सहित प्रदेश के तमाम मुद्दों पर सवालों की बौछार की। लेकिन भाजपा सरकार के लोग सवालों के जवाब देने में असहज दिखे।

विधायक ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के यह हाल हैं कि प्रदेश में स्वरोजगार के द्योतक उद्योगों को सब्सिडी देनी बंद कर दी गई है। पुराने मामलों में भी उद्योगों को सब्सिडी नहीं दी जा रही है। इससे स्वरोजगार की बढ़ते कदमों को रोका जा रहा है। जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में उद्योगों को स्थापित कर स्वरोजगार आगे बढ़ाने के लिए सब्सिडी बहुत जरूरी है। कहा कि प्रदेश सरकार सोलर प्लांटों को स्वरोजगार का जरिया बनाने की बात तो कर रही है, लेकिन बिजली लाईनों व सबस्टेशनों की स्थिति है कि यह सोलर प्लांटों की उत्पादित बिजली का लोड लेने में सक्षम नहीं है।इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख विजय गुनसोला, प्रदेश सचिव कुलदीप पंवार, लखवीर, खुशी लाल, संतोष आर्य, दिनेश कृषाली, अर्जुन, महादेव, ज्योति भट्ट आदि मौजूद रहे।

घर बैठे कमाई के झांसे में कैप्टन की पत्नी से 3.63 लाख की ठगी

देहरादून। घर बैठकर ऑनलाइन कुछ वक्त काम कर मोटी कमाई के झांसे में सेना के कैप्टन की पत्नी साइबर ठगी का शिकार हो गई। ठगों ने मोटे रिटर्न का झांसा देकर महिला से 3.63 लाख रुपये अपने दिए बैंक खातों में जमा करवा लिए। आरोपियों ने और रकम मांगी। पीड़िता को इस दौरान ठगी की बात समझ में आई। महिला की तहरीर पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेवाएं समाप्त करने के विरोध में उपनल कर्मचारियों ने किया काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन

देहरादून। सरकारी विभागों से सेवाएं समाप्त करने के विरोध में उपनल कर्मचारियों ने सोमवार को बांध पर काली पट्टी बांध कर विरोध जताया।

उपनल कर्मचारी महासंघ ने कहा कि सरकार ने उपनल कर्मचारियों को न हटाने का वादा किया था, लेकिन उस पर अमल नहीं हो रहा है। महासंघ के प्रदेश महामंत्री विनय प्रसाद ने कहा वर्ष 2018 में हाईकोर्ट ने सरकार को उपनल कर्मचारियों को समान कार्य समान वेतन, चरणबद्ध तरीके से नियमितीकरण करने के आदेश दिए थे। सरकार इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चली गई थी। यह मामला वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है। इसके बावजूद कर्मचारियों को लगातार हटाया जा रहा है। यह सुप्रीम कोर्ट की भी अवमानना है। स्वास्थ्य विभाग में उपनल के जरिए कार्यरत 1500 से ज्यादा कर्मचारियों को पहले दूसरी एजेंसी के मार्फत नियुक्त किया गया।

अब उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। ईएसआई में भी करीब 120 कर्मचारियों की सेवाओं को 31 मार्च को समाप्त करने की तैयारी की जा रही है। टिहरी में यूपीसीएल, खाद्य विभाग और दून विश्वविद्यालय में भी कई पदों पर भर्ती निकाली गई है।

विकासनगर में लोगों को बेघर करने का विरोध, डीएम दफ्तर पहुंचे लोग

देहरादून। विकासनगर के ढकरानी में 600 घर गिराकर लोगों को बेघर करने पर विरोध जताया गया। मुस्लिम सेवा संगठन के पदाधिकारी रविवार को डीएम कार्यालय पहुंचे। मुस्लिम सेवा संगठन के अध्यक्ष नईम कुरैशी ने कहा कि सरकार और प्रशासन को चाहिए कि लोगों को बेघर न किया जाए। यदि कोर्ट के आदेश पर घरों को तोड़ा ही जाना है तो यहां पर उनके रहने और पुनर्वास की व्यवस्था की जाए। इस दौरान उपाध्यक्ष आकिब कुरैशी, लताफत हुसैन, दानिश कुरेशी मुदस्सिर हुसैन आदि मौजूद रहे। डीएम कार्यालय में संगठन की ओर एसडीएम नरेश चंद्र दुर्गापाल को ज्ञापन सौंपा।

आजीविका संवर्द्धन में मददगार होंगे बांस—रिंगाल से बने उत्पाद

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय में वन पंचायत उत्तराखंड एवं सर्व कल्याण विकास समिति के सहयोग से सात दिवसीय बांस–रिंगाल हस्तशिल्प का निशुल्क प्रशिक्षण शुरू हो गया। इस मौके पर हैंडीक्रफ्ट बनाने से लेकर बांस से तैयार होने वाले कई चीजों के बारे में बताया जा रहा है। दि क्रिएटिव स्पेस, भीमराव अंबेडकर भवन बेलनी में विकास समिति (एसकेवीएस) की अध्यक्ष पूजा सेमवाल ने वन पंचायत उत्तराखंड की ओर से आयोजित बांस–रिंगाल हस्तशिल्प प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर कहा कि वर्तमान समय में बांस–रिंगाल से कई तरह से रोजगार पैदा किया जा सकता है। बांस की खेती, साजो सज्जा का सामान तैयार कर, हैंडीक्रफ्ट बनाने से लेकर अन्य कई कार्यों के जरिए बांस को बेहतर आजीविका का साधन बनाया जा सकता है। जबकि बांस–रिंगाल प्लास्टिक के बड़े विकल्प के तौर पर भी तैयार हो रहा है। घर में इस्तेमाल होने वाला 80 फीसदी सामान बांस एवं रिंगाल से बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समिति के सहयोग से विभिन्न ग्राम पंचायतों में समय–समय पर निशुल्क 'बांस– रिंगाल हस्तशिल्प' प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाजारों में बांस–रिंगाल के उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। विशेष तौर पर फर्नीचर, लैंप शेड, क्रॉकरी सहित अन्य घरेलू उत्पादों को लोग काफी पंसद कर रहे हैं। बांस से बना समान सस्ता होने के साथ टिकाऊ भी है। प्रशिक्षण दे रहे मास्टर ट्रेनर प्रेम लाल ने अपना प्रशिक्षुओं के सम्मुख अपने अनुभव साझा किए। कहा कि में बांस आजीविका का एक बेहतर विकल्प बन सकता है। उन्होंने सभी लोग से प्लास्टिक का इस्तेमाल छोड़ इको फ्रेंडली समान उपयोग करने की अपील की। प्रशिक्षण के पहले दिन मास्टर ट्रेनर प्रेम लाल ने प्रशिक्षण में शामिल लोग को बांस एवं रिंगाल से के पौधे की पहचान, पुराने एवं नए बांस की पहचान करना, हैंडीक्रफ्ट या अन्य उत्पाद बनाने के लिए कैसे उचित बांस एवं रिंगाल का चयन किया जाए इसकी जानकारी दी। इस मौके पर समिति के सदस्य नवदीप शाह, आशा नेगी, किरण नेगी, सपना, शिवानी, दिव्या आदि मौजूद थे।

एक नजर

लापता हुई नवविवाहिता

ऋषिकेश। शिवपुरी में गंगातट के नजदीक एक बीच कैंप से संदिग्ध परिस्थितियों लापता हुई नवविवाहिता अब रहस्यमय ढंग से घर पहुंच गई। पुलिस विवाहिता और पति से पूछताछ कर रही है। मुनिकीरेती प्रभारी निरीक्षक रितेश शाह ने बताया कि हिमांशु पचोरी निवासी ग्राम ऊसायनी, फिरोजाबाद, यूपी 20 वर्षीय पत्नी नंदिनी के साथ घूमने के लिए शिवपुरी पहुंचा था। हिमांशु ने 19 मार्च की रात पत्नी के संदिग्ध परिस्थितियों में गंगातट से गायब होने की सूचना पुलिस को दी। पत्नी का मोबाइल तट के पास ही एक पत्थर पर मिलने की बात भी कही। संदिग्ध मामले की जांच में पुलिस जुटी थी कि सोमवार को जानकारी मिली कि नंदिनी घर पहुंच गई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि दोनों का विवाह इसी साल 10 फरवरी को हुआ था।

शीला भट्ट बनी नरेंद्रनगर ब्लॉक की आंगनबाड़ी अध्यक्ष

ऋषिकेश। नरेंद्रनगर ब्लॉक क्षेत्र की आंगनबाड़ी वर्करों की बैठक में सर्वसम्मति से शीला भट्ट को आंगनबाड़ी वर्कर संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया। इस दौरान नवनियुक्त संगठन पदाधिकारियों का फूल माला से स्वागत किया। सोमवार को ढालवाला स्थित चंद्रा पैलेस में हुई बैठक में आंगनबाड़ी वर्करों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। साथ ही ब्लॉक की कार्यकारिणी के चयन पर सहमति बनी। प्रदेशाध्यक्ष सुशीला खत्री की मौजूदगी में सर्वसम्मति से शीला भट्ट को ब्लॉक अध्यक्ष, रंजना नौटियाल को क्षेत्र प्रमुख, रेखा भट्ट कोषाध्यक्ष, कमला चौहान प्रमुख और मंजू भट्ट को मीडिया प्रभारी चुना गया।

इस दौरान आंगनबाड़ी सहायकों ने अपनी परेशानियां रखीं। साथ ही भवन किराया, पोषाहार वितरण के मानदेय पर चर्चा की। प्रदेशाध्यक्ष खत्री ने समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। मौके पर बबली गोदियाल, पुष्पा चौहान, वीरा रावत आदि कार्यकर्ता और सहायिकाएं मौजूद रहीं।

साईलोक कॉलोनी में हुआ निशुल्क हृदय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

देहरादून। शिमला बाईपास रोड़ स्थित साईंलोक कॉलोनी, कारबारी ग्रांट में निशुल्क हृदय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें निशुल्क परामर्श, निशुल्क न्यूट्रीशियन और डाइटेशन परामर्श , निशुल्क ईसीजी, ब्लड़ प्रेशर और ब्लड़ शुगर की जांच की गई। वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ एवं फिजीशियन डॉ. के० बी० जोशी (एक्स सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट दून अस्पताल) और पोषक एवं आहार विशेषज्ञ उर्वशी चुग(क्लीनिकल न्यूट्रीशियन और डाइटेशन) द्वारा मरीजों की जांच और परामर्श दिया गया। वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ एवं फिजीशियन डॉ. के० बी० जोशी ने मरीजों की जांच करने के साथ–साथ हृदय रोगों से बचने के उपाय भी बताए। उन्होंने कहा कि धूमपान, एल्कोहल और गलत खान–पान की आदतों की वजह से हार्ट की समस्याएं होने की संभावना बढ़ जाती है। अक्सर लोग हार्ट के दर्द को गैस का दर्द समझकर नजर अंदाज कर देते हैं जिसके परिणाम काफी गंभीर हो सकते हैं। इसलिए सबको हार्ट अटैक के मुख्य लक्षण पता होना चाहिए और कोई भी लक्षण दिखने पर तुरंत अपने नजदीकी कॉर्डियोलॉजिस्ट से परामर्श करना चाहिए। साथ हीइस अवसर पर आयोजक समिति ने जांच शिविर में बढ़चढ़ कर भागीदारी करने वाली क्षेत्र की जनता और सक्रिय रूप से अपना योगदान देने के लिए सभी स्वयंसेवकों(वलन्टियर्स) का आभार व्यक्त किया।विशेष धन्यवाद के पात्र – पूर्व प्रधान दयानंद जोशी जी, राकेश शाह जी, सामंत जी , जायसवाल परिवार, सचिन गैरोला जी, नोडियाल जी जिनके सहयोग एवं व्यवस्था से ये जनहित कार्य पूरा हुआ ।

लापरवाही की जांच को डीएम ने बैठाई जांच

ऋषिकेश। नीलकंठ मोटर मार्ग पर सड़क हादसे में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत के मामले में पौड़ी जिले का प्रशासन हरकत में आया है। हिन्दुस्तान की खबर का संज्ञान लेकर डीएम ने चेकिंग में लापरवाही का पता लगाने के लिए जांच बैठा दी है। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी एसडीएम यमकेश्वर को सौंपी है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद डीएम ने दोषी मिलने पर कार्रवाई का दावा किया है। दरअसल, खैरखाल–कालीकुंड़ के बीच नीलकंठ रोड पर संदिग्ध परिस्थितियों में एक निजी कार 19 मार्च की शाम खाई में गिर गई थी। इसमें ट्रांजिट कैंप, रुद्रपुर निवासी सुरेश की चार साल की बेटी दिप्ती और सात वर्ष के बेटे दिव्यांश की मौत हो गई। हादसे में सुरेश की साली कमलेश (19) की भी गंभीर चोटें लगने से जान चली गई। सुरेश समेत परिवार के 10 सदस्य जख्मी हुए। उनका इलाज फिलहाल एम्स में चल रहा है। हिन्दुस्तान ने सोमवार के अंक में चेकिंग होती, तो नहीं जाती तीन लोगों की जान शीर्षक के साथ खबर प्रकाशित की। इसमें सात से नौ सीटर क्षमता वाली कार में 13 सवारियां बैठाने का जिक्रकरते हुए गरुड़चट्टी चेक पोस्ट पर वाहन की जांच में लापरवाही का मामला उठाया था। डीएम डा. आशीष चौहान ने खबर का संज्ञान लेते हुए मामले में पुलिसकर्मियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों की लापरवाही की जांच के लिए अब एसडीएम यमकेश्वर को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि वाकई यह गंभीर मामला है। लिहाजा, जांच रिपोर्ट में खामियां मिलने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नशा मुक्ति केंद्र में युवक की मौत के बाद उठे सवाल, पुलिस ने शुरू की जांच

देहरादून। थाना पटेलनगर क्षेत्र के बड़ोवाला स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में युवक की मौत के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिजनों ने 32 साल के युवक को 12 मार्च को नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था। रात को अचानक तबियत बिगड़ने पर उसे अस्पताल लेकर गए, लेकिन युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान मुआद अली के रूप में हुई है।

बिना पंचायत भवन के चल रही ग्राम सभा

ऋषिकेश। डोईवाला के बडोवाला में ग्राम सभा का अपना पंचायत भवन तक नहीं है। ऐसे में ग्राम प्रधान और ग्रामीणों को ग्राम सभा की बैठक करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को बड़ोवाला के ग्राम प्रधान सुधीर छेत्री ने ग्रामीणों संग डोईवाला तहसील पहुंचकर एसडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध कालू सिद्ध मंदिर से लगती हुए ग्रामसभा बडोवाला में अपना पंचायत भवन तक नहीं है। पंचायत भवन न होने से काफी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। ऐसे में पंचायत की बैठक किसी वेडिंग प्वाइंट या सरकारी स्कूल में रखी जाती है।

नवरात्र को नारी शक्ति उत्सव के रूप में मनाएगी सरकार

देहरादून। नवरात्र को नारी शक्ति उत्सव के रूप में बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। इसके लिए नवरात्र पर प्रमुख मंदिरों और देवी सिद्ध पीठों में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। इस संबंध में संस्कृति विभाग की ओर से सभी जिलों को आदेश जारी किए गए हैं। प्रमुख मंदिर, देवी सिद्ध पीठ पीठों में होने वाले आयोजनों में संस्कृति विभाग वित्तीय सहयोग करेगा। हर जिले को एक लाख की वित्तीय मदद की जाएगी। अतिरिक्त व्यवस्था स्थानीय जिला प्रशासन करेंगे। सचिव संस्कृति हरिचंद सेमवाल की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किए गए। 22 मार्च से 30 मार्च तक नारी शक्ति उत्सव मनाया जाएगा। चैत्र नवरात्रों की उत्तराखण्ड में व्यापक धार्मिक महत्व को ध्यान रखते हुए प्रदेश में सभी प्रमुख देवी मंदिरों, शक्तिपीठों में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। नवरात्रि नारी शक्ति उत्सव के अवसर पर दुर्गा सप्तमी, रामचरितमानस, देवी गायन, देवी जागरण, पाठ आयोजित कराए जाएंगे। महिलाओं और बालिकाओं की इन कार्यक्रमों में विशेष रूप से सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेशभर में आयोजित होने वाले इस उत्सव के आयोजन को जिलाधिकारियों की ओर से जिला, ब्लॉक स्तर पर समिति का गठन किया जाएगा। इसमें सांस्कृतिक धार्मिक, जनसहभागिता से जुड़े संगठनों और कार्यक्रम से आम जनमानस को जोड़ा जाएगा।ये समिति तय करेगी की जिला और ब्लॉक स्तर पर किन देवी मन्दिरों, शक्ति पीठों में आयोजन किए जाएं। स्थानीय स्तर पर जन सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। प्रतिदिन कराये गये कार्यक्रमों का ब्यौरा आयोजकों को संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड की ई–मेल पर अपलोड कराना होगा। आयोजन स्थल के आस–पास साफ–सफाई, पेयजल, ध्वनि–प्रकाश समेत अन्य व्यवस्थायें जिला प्रशासन को सुनिश्चित करानी होगी।

बजट से धामी सरकार की सशक्त उत्तराखंड बनाने की प्रतिबद्धता में सफलता मिलेगी: अग्रवाल

ऋषिकेश। वित्तमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि गैरसैंण विधानसभा में पेश किया गया बजट इंद्रधनुषी है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी के मंत्र रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफार्म को आधार बनाया गया है। इस बजट से धामी सरकार की सशक्त उत्तराखंड बनाने की प्रतिबद्धता में सफलता मिलेगी। सोमवार को ग्रामसभा भट्टोवाला में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ काम कर रही है। इसी को ध्यान में रखकर बजट बनाया बना है। उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य है, जहां युवाओं के हित के लिए धामी सरकार ने सख्त नकल विरोधी कानून बनाया है।

महिलाओं को 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देकर सरकार ने मातृ शक्ति का मान बढ़ाया है। यह दोनों विधेयक सदन के भीतर पास हुए हैं। कहा कि देश का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जी–20 सम्मेलन यहां हो रहा है। जी–20 की तीन बैठकें उत्तराखंड में आयोजित होंगी। इस दौरान उन्होंने भट्टोवाला में 15 लाख रुपये की विधायक निधि विकास कार्यों के लिए देने की घोषणा की। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश पयाल, मंडल प्रभारी उषा कोठारी, जिला मंत्री पुष्पा ध्यानी, समाजसेवी मानवेन्द्र कंडारी, प्रधान दीपा राणा, मंडल उपाध्यक्ष श्यामपुर सतपाल राणा, संजय राणा, कुसुम रमोला, अर्चना व्यास, आशा रावत, उर्मिला, संतोषी राणा, सीमा रमोला, शकुंतला पोखरियाल, भूमीश्वरी सकलानी, ध्रुव सिंह राणा आदि उपस्थित रहे।

व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस पर परिवहन महासंघ को एतराज

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा के लिए वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस जरूरी करने के निर्णय पर उत्तराखंड परिवहन महासंघ ने एतराज जताया है।

उन्होंने यात्रा समाप्ति के पश्चात स्टेपवाइज वाहनों पर वीएलटीडी लगवाने का मामला उठाया। सोमवार को उत्तराखंड परिवहन महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून में परिवहन मंत्री चंदन रामदास से मुलाकात की।

बैंक के एसी की कॉपर पाइप काट ले गए चोर

ऋषिकेश। नगर क्षेत्र में चोरों को पुलिस का जरा भी खौफ नहीं है।

अभी तक चोर बंद घरों और सुनसान इलाकों में घटनाओं को अंजाम देने में लगे थे, लेकिन अब शहर के मुख्य मार्ग पर पुलिस पिकेट से चंद कदमों की दूरी पर स्थित बैंक को भी नहीं बख्शा। अज्ञात चोरों ने बैंक के एसी की कॉपर की पाइप ही काट ली। प्रबंधक ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। जानकारी के मुताबिक अल्मोड़ा अर्बन बैंक की घाट चौक के नजदीक ऋषिकेश शाखा को चोरों ने निशाना बताया। उन्होंने बैंक के बाहर लगी एसी के दो कमप्रेशर की कॉपर की पाइप काट ली। सुबह बैंक कर्मी पहुंचे, तो इसका पता चला।

तत्काल पुलिस को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने मौके का मुआयना किया। प्रबंधक हरि दत्त भट्ट ने बताया कि पुलिस को इस बाबत लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। वहीं, बैंक शाखा के पास ही फोटोग्राफी लैब चलाने वाले संचालक ने बताया कि कुछ वक्त पहले इसी तरह की चोरी उनके यहां भी हुई थी, जिसकी शिकायत पुलिस से की गई थी। अब इस घटना के बाद उन्होंने पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को मुकम्मल रखने के लिए प्रभावी गश्त और चोरों की धरपकड़ की मांग भी की है।

त्रिवेणीघाट चौकी प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि चोरों की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

नमामि गंगे पखवाड़ा शुरू, गंगा स्वच्छता की शपथ ली

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : डिग्री कॉलेज थलीसैंण में सोमवार को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन जल शक्ति मंत्रालय नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के शुरू हो गया। इसके तहत गंगा स्वच्छता शपथ और गंगा स्वच्छता हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई।

डिग्री कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज प्राचार्य डॉ. रेनू रानी बंसल ने कहा कि गंगा को स्वच्छ बनाना एक सामुदायिक प्रयास है, हमें इस समुदायिक प्रयास में अपनी सहभागिता निभानी होगी। न केवल गंगा बल्कि अन्य नदियों व आस-पड़ोस में भी कूड़ा इधर-उधर न फेंककर उसे सही तरीके से निस्तारित करना चाहिए।

कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव के प्राचार्य डॉ. केसी दुतपुड़ी, लोनिवि के सहायक अभियंता सुशील कुमार, महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी व छात्र-छात्राएं मौजूद रही। संचालन नमामि गंगे के नोडल अधिकारी डॉ. विवेक रावत ने किया।

सिताबपुर क्षेत्र में तीन दिन से ठप पड़ी है पेयजल आपूर्ति

पानी के लिए इधर-उधर भटक रहे वार्डवासी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गर्मी की दस्तक के साथ ही क्षेत्र में पेयजल समस्या भी उत्पन्न होने लगी है। हालत यह है कि सिताबपुर क्षेत्र में पिछले तीन दिन से पेयजल आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। क्षेत्रवासियों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। शिकायत के बाद भी जल संस्थान समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा है। ऐसे में वार्डवासियों ने जल्द समस्या का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

सिताबपुर पशु चिकित्सालय के समीप बने नलकूप से क्षेत्र के करीब दो हजार परिवारों को पेयजल उपलब्ध करवाया जाता है। लेकिन, पिछले तीन दिन से नलकूप खराब होने के कारण क्षेत्र में पेयजल समस्या बनी हुई है। सिताबपुर निवासी रचना देवी, मोनिका देवी, पुष्पा नेगी ने बताया कि नलकूप में लगी दशकों पुरानी मोटर हर महीने जवाब देने लगती है। पुरानी मोटर को बदलकर नई मोटर लगवाने के लिए क्षेत्रवासी कई बार अधिकारियों को पत्र दे चुके हैं। लेकिन, हर बार केवल पुरानी मोटर की ही मरम्मत करवाई जाती है। ऐसे में गर्मी में मौसम में समस्या और अधिक बढ़ जाती है। तीन दिन से घरों में पानी नहीं आने के कारण दिनचर्या प्रभावित होने लगी है। वार्डवासियों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। वहीं, जल संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि नलकूप मरम्मत के लिए कर्मचारियों को लगाया गया है। उम्मीद है मंगलवार सुबह तक पेयजल आपूर्ति बहाल हो जाएगी।

कोटद्वार के सिताबपुर में बने नलकूप की मरम्मत करते कर्मचारी।

जी-20 की अध्यक्षता भारत के लिए गर्व के पल

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में आयोजित किया गया कार्यक्रम

कोटद्वार महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते शिक्षक व विद्यार्थी।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में जी-20 पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जी-20 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि जी-20 की अध्यक्षता करना भारतवासियों के लिए गर्व की बात है।

व्याख्यानमाला का आरंभ करते हुए प्राचार्य प्रो. जानकी पंवार ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि इस बार भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। मुख्य वक्ता विभाग प्रभारी समाजशास्त्र डा. तनु मित्तल ने कहा कि जी-20 की मेजबानी करना भारत के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे भारत वैश्विक पटल पर अपनी अलग पहचान बनाने के साथ ही अन्य देशों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत बना सकता है। डॉ. कविता रानी ने जी-20 में भारत की अध्यक्षता, जी 20 के गठन और भारत की कूटनीतिक संरचना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान आशीष नेगी, संदीप सिंह, नेहा जोशी, मनीष कंडवाल, शालिनी बड़थ्वाल और हिमानी सहित अन्य छात्र मौजूद रहे।

लोकभाषाओं को बोलने वालों की कमी पर जताई चिंता

धाद सामाजिक संस्था की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम के अंतर्गत अजीम प्रेमजी सभागार में धाद सामाजिक संस्था द्वारा फूलदेई पर्व संवाद श्रंखला के अंतर्गत मातृभाषा और प्राथमिक शिक्षा विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में वक्ताओं ने उत्तराखंड की लोकभाषाओं को बोलने वालों की संख्या में कमी होने पर चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ नन्हें बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना का गायन कर किया गया।

गोष्ठी में प्रो. बलवंत सिंह नेगी ने कहा कि मातृभाषा के संवर्धन एवं विकास के लिए सरकारों को भी पहल करनी होगी। संस्था के केन्द्रीय सचिव तन्मय ममगांई ने कहा कि उत्तराखंड में मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा की बात निरंतर विचार विमर्श में मौजूद रही है। कार्यक्रम के दौरान राप्रावि मेरुड़ा की छात्रा पावनी द्वारा गढ़वाली भाषा में कहानी वाचन किया गया। प्रियांशी द्वारा गढ़वाली कविता प्रस्तुत की गई। साथ ही अन्य छात्रों ने भी गढ़वाली भाषा में कार्यक्रम प्रस्तुत किए। पूर्व शिक्षक जागेश्वर जोशी ने कहा कि मातृभाषा के संरक्षण के लिए परिवार के सदस्यों की पहले पहल करनी चाहिए। बच्चों को यदि अपनी मातृभाषा में पूर्व कक्षाओं में शिक्षण कराया जाए तो उसका संवेगात्मक विकास अच्छा होता है। कहा कि यूनेस्को द्वारा 2010 में किये गये भाषायी सर्वे में विश्व में विलुप्ति की कगार पर पहुंचने वाली भाषाओं में उत्तराखण्ड की लोकभाषाएं भी हैं, जिन्हें बोलने वालो की संख्या निरंतर घट रही है।

पीआरडी जवानों ने साल में तीन सौ दिन रोजगार देने की मांग उठाई

पौड़ी : प्रांतीय रक्षक दल एवं स्वयंसेवक संगठन की बैठक में प्रशिक्षित पीआरडी जवानों को साल में तीन सौ दिन का रोजगार दिए जाने की मांग उठाई गई। सोमवार को जिला पंचायत के पुराने सभागार में आयोजित बैठक में संगठन के जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम भारती ने कहा कि सरकार ने साल में प्रशिक्षित पीआरडी जवानों को 300 का दिन का रोजगार दिए जाने की घोषणा की थी, लेकिन इस घोषणा पर कोई अमल नहीं किया जा रहा है। जिससे प्रशिक्षित पीआरडी जवानों को रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरे खानी पड़ रही है। कहा कि कई विभागों में अप्रशिक्षित पीआरडी जवान ड्यूटी दे रहे हैं और प्रशिक्षित पीआरडी जवान रोजगार के लिए ठोकरे खा रहे हैं। इस दौरान प्रशिक्षित पीआरडी जवानों ने सभी विभागों में रोटेशन के आधार पर ड्यूटी देने, अप्रशिक्षित पीआरडी जवानों को हटाते हुए प्रशिक्षित पीआरडी जवानों को ड्यूटी देने की मांग उठाई। बैठक में मौजूद मुख्य अतिथि प्रभारी युवा कल्याण अधिकारी नरेश रावत ने संगठन को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक में संगठन के जिला उपाध्यक्ष पंकज आर्य, सचिव महाराज, महासचिव अनूप कुमार, राजेंद्र सिंह, शोभा, दीपक आदि शामिल रहे।

महिलाएं मशरूम उत्पादन से जुड़कर आर्थिकी करें मजबूत

धुवपुर में मशरूम गर्ल ने मशरूम उत्पादन की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड मशरूम घरेलू उत्पादन परियाजना के अंतर्गत नगर निगम के अंतर्गत धुवपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्तराखंड की मशरूम गर्ल के नाम से प्रसिद्ध दिव्या रावत ने महिलाओं को मशरूम उत्पादन पर जानकारी दी। कहा कि मशरूम उत्पादन से महिलाएं अपने परिवार की आर्थिकी को मजबूत कर सकती हैं।

कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि स्वामी दर्शन भारती, स्वामी आदि योगी और पूर्व राज्य मंत्री दिलबर सिंह रावत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर दिव्या रावत ने कहा कि मशरूम उत्पादन से हम अपनी आर्थिकी मजबूत कर सकते हैं। इसके लिए सरकार की ओर से भी योजनाएं चलाई जा रही है। इसलिए सभी महिला समूहों को इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में तकनीकी और विपणन की जानकारी भी दी। कार्यक्रम संयोजक रीमा चौहान ने दिव्या रावत का आभार व्यक्त करते हुए एक मशरूम प्रसंस्करण यूनिट कोटद्वार में लगाने की बात कही। इस दौरान राकेश मोहन ध्यानी, नितिन चौहान, नरेंद्र चौहान, प्रमोद रावत, प्रदीप बलूनी और गजेंद्र चौहान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कोटद्वार में लोगों को मशरूम उत्पादन की जानकारी देती दिव्य रावत

पोस्टर प्रतियोगिता में ओमप्रकाश ने मारी बाजी

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय पॉलिटेक्निक घिघराण में जिला चिकित्सालय गोपेश्वर द्वारा राष्ट्रीय क्षय रोग दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के डॉ. विनित थपलियाल व अर्जुन नेगी जिला कार्यक्रम समन्वयक द्वारा क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की जानकारी दी गई। पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें पॉलिटेक्निक के छात्र-छात्राओं द्वारा विश्व क्षय रोग, टीबी रोग से बचाव के सम्बन्ध में पोस्टर बनाये गये। जिनमें ओमप्रकाश, आयुष्मान व टीना ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही पांच छात्र-छात्राओं कविता, हरिकृष्ण, आदित्य, साहिल व अभिषेक को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर डॉ. विनित थपलियाल, चिकित्साधिकारी, टीबी क्लिनिक गोपेश्वर व अर्जुन नेगी, जिला कार्यक्रम समन्वयक व पॉलिटेक्निक के प्रभा कुमारी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

आग से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी, चलाया गया अभियान

अग्निशमन विभाग की ओर से यमकेश्वर में आयोजित की गई कार्यशाला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए अग्निशमन विभाग की ओर से यमकेश्वर में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान विभाग ने ग्रामीणों को आग पर काबू पाने के साथ ही भूकंप सहित अन्य आपदाओं से बचाव के तरीके भी बताए। कहा कि घटनाओं को रोकने के लिए ग्रामीणों का जागरूक होना आवश्यक है।

यमकेश्वर मंदिर के समीप जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अग्निशमन अधिकारी सुरेंश चंद्र ने ग्रामीणों को आग लगने के कारणों के बारे में बताया। कहा कि व्यक्ति की थोड़ी सी लापरवाही एक बड़ी घटना को अंजाम दे सकती है। गर्मी बढ़ने के साथ ही जंगलों में भी आग लगने की घटनाएं बढ़ने लगी है। कहीं भी जंगल में आग लगने पर इसकी सूचना तुरंत वन विभाग व अग्निशमन विभाग को दें। कार्यक्रम में गैस सिलेंडर में आग लगने पर कैसे बुझाई जाए, इसे लेकर माकड्रील कर ग्रामीणों को पूरी जानकारी दी गई। इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से जानकारी को अधिक से अधिक व्यक्तियों तक पहुंचाने की अपील की। कहा कि समाज को जागरूक करने की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है।

यमकेश्वर में ग्रामीणों को आग से बचाव के तरीके बताते अग्निशमन कर्मी

भागवत कथा 22 से

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गापुरी स्थित प्राचीन श्री दुर्गा मंदिर शक्तिपीठ में 22 से 30 मार्च तक श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जायेगा। कथा वाचक आचार्य पं. विनोद सुंद्रियाल होंगे। कथा समापन पर भंडारे का आयोजन भी किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए आयोजन समिति के मनोज बुड़ाकोटी ने क्षेत्रीय जनता से कथा श्रवण कर पुण्य अर्जित करने की अपील की है।

बेमौसमी बारिश ने तोड़ी काश्तकारों की कमर, खेतों में बर्बाद हुई फसल

पिछले चार दिनों से हो रही बारिश और ओलावृष्टि से बर्बाद हो रही काश्तकारों की फसल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : खेतों में लहलहाती गेहूं की फसल और बौर से लकदक आम के पेड़ों को प्रकृति की ही नजर लग गई। बेमौसमी बारिश व ओलावृष्टि ने जहां खेतों में खड़ी फसल को बर्बाद कर दिया, वहीं ओलावृष्टि से आम, काफल, बुरांस को भी काफी नुकसान पहुंचा है।

शुक्रवार शाम शुरू हुई बारिश का दौर सोमवार को भी चलता रहा। बारिश से पारे में भी गिरावट देखने को मिली। कई व्यक्तियों ने ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों का भी सहारा लिया। वहीं, बारिश ने क्षेत्र के काश्तकारों की कमर तोड़कर रख दी है। बारिश के कारण कोटद्वार के साथ ही पूरे क्षेत्र में गेहूं के साथ ही दलहन की फसल पर काफी प्रभाव पड़ा है। कृषि अधिकारी अरविंद भट्ट ने बताया कि बारिश व ओलावृष्टि से कई स्थानों पर गेहूं की फसल खराब हो गई है। साथ ही सोयाबीन, मसूर सहित अन्य दलहन व प्याज की फसल पर भी बारिश का प्रभाव पड़ा है। उन्होंने बताया कि जल्द ही विभाग नुकसान का आंकलन करेगा। इधर, उद्यान विशेषज्ञ प्रभाकर सिंह ने बताया कि बारिश व ओलावृष्टि का सीधा असर आम, लीची, बुरांस, काफल पर पड़ा है। बताया कि बारिश व ओलावृष्टि से आम व लीची की बौर झड़ गई है। साथ ही काफल व बुरांश भी बारिश के कारण खराब हो गया है।

बारिश के कारण बर्बाद हुई फसल

गौरेया संरक्षण के लिए शिक्षक दिनेश कुकरेती को किया सम्मानित

जयदेवभूमि फाउंडेशन की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विश्व गौरेया दिवस के अवसर पर गौरेया संरक्षण के लिए कार्य कर रहे शिक्षक दिनेश कुकरेती को सम्मानित किया गया। इस दौरान लोगों ने गौरेया संरक्षण का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को गौरेया घोसले भी वितरित किए गए।

सोमवार को जयदेवभूमि फाउंडेशन की ओर से बालासौड़ रोड स्थित एक बारातघर के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फाउंडेशन की ओर से दिवस को पक्षी बचाव दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गुरुरामराय पब्लिक स्कूल व सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत व सरस्वती वंदना से किया। तत्पश्चात लंबे समय से गौरेया संरक्षण का कार्य कर रहे शिक्षक दिनेश कुकरेती ने लोगों से गौरेया के साथ ही अन्य लुप्त हो रहे पक्षियों को बचाने के लिए कार्य करने का आह्वान किया। मौके पर उन्होंने 1000 से अधिक गौरेया घोसलों का निःशुल्क वितरण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंडी समिति अध्यक्ष सुमन कोटनाला ने उनके कार्य की प्रशंसा की। पूर्व आकाशवाणी निदेशक चक्रधर कंडवाल ने पक्षियों की पहले की और अब की स्थिति की तुलना कर अपना अनुभव बताया। मौके पर शिक्षक दिनेश कुकरेती को पक्षी संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर जयदेवभूमि फाउंडेशन व महिला पतंजलि की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में चंद्रमोहन कुकरेती, संतोष तिवारी, रंजना रावत, दलजीत सिंह, शोभा रावत और योगंबर रावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

गौरेया दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों को गौरेया घोसला देते शिक्षक दिनेश कुकरेती

मरीजों को बिना ठोस कारण के रेफर न करें : पंत

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. एमके पंत ने मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं डॉक्टरों के साथ बैठक की। इस मौके पर उन्होंने डॉक्टरों को मरीजों को बिना ठोस कारण के रेफर न करने के निर्देश दिए।

रविवार को आयोजित बैठक में उन्होंने अस्पलाल के चिकित्सकों को आकस्मिक विभाग की सेवाओं पर विशेष ध्यान देने व उपस्थित रहने को कहा। कहा कि बेस चिकित्सालय में व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त रखने के लिए मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की ओर से विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसलिए यहां इंफ्रास्ट्रक्चर, मानव संसाधन व मशीनों की समुचित व्यवस्थाएं की गई है। डॉ. पंत ने कहा कि तमाम संसाधनों एवं फैकल्टी की बेहतर सुविधा होने पर मरीजों को भी पूरी सुविधा मिलनी चाहिए। साथ ही इमरजेंसी विभाग में आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधा मिले इसके लिए वरिष्ठ चिकित्सकों का उपस्थित रहना जरूरी है। बैठक में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत, एमएस डॉ. रविंद्र बिष्ट, डॉ. व्यास राठौर, डॉ. अजेय विक्रम, डॉ. केएस बुटोला, डॉ. डीके टम्टा, डॉ. विनीता रावत, डॉ. गजाला रिजवी, डॉ. किगशुक लाहौन, डॉ. अनिल द्विवेदी, डॉ. ललित पाठक सहित संकाय सदस्य मौजूद रहे। (एजेंसी)

अल्मोड़ा में कांग्रेस ने फूंका केंद्र सरकार का पुतला

अल्मोड़ा। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के आवास पर पुलिस टीम भेजने के मामले में पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश छाया हुआ है। गुस्साए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को अल्मोड़ा के चौघानपाटा में केंद्र सरकार का पुतला दहन कर नारेबाजी की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज 'गुड्डू के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार जब से सत्ता में आयी है, तब से वह लगातार कांग्रेस नेताओं के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई कर रही है। कहा कि आज देश की कानून व्यवस्था, महिलाओं के अधिकार पर प्रहार, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी पर बोलने पर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ दबाव बनाने का कृत्य मोदी सरकार कर रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार आज देश की संवैधानिक शक्तियों को चोट पहुंचाने का काम कर रही है। आम व्यक्ति से लेकर जनता से निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की आवाज को दबाने का कार्य करके अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर चोट पहुंचाकर मोदी सरकार हिटलरशाही रवैये पर उतारू हो चुकी है। इस मौके पर नगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, पूर्व नगर अध्यक्ष पूरन रौतेला, त्रिलोचन जोशी, मनोज बिष्ट, रोहन कुमार आर्य, निर्मल रावत, गोविंद प्रसाद, अमित बिष्ट, नितिन रावत, दिनेश आर्य, अजय कुमार, जया जोशी, सुनील कर्नाटक, नमित जोशी, राजेंद्र प्रसाद, हिमांशु मेहता, मनोज सनवाल, प्रदीप बिष्ट, मोहन सिंह देवली, राधा बिष्ट आदि मौजूद रहे।

बागेश्वर प्रकरण में राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

हल्द्वानी। बीते दिनों बागेश्वर के जोशी गांव में मां समेत तीन बच्चों के आत्महत्या के प्रकरण में पूर्व विधायक नारायण पाल के नेतृत्व में लोगों ने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में घटना के लिए पुलिस की लापरवाही को भी जिम्मेदार ठहराया है। कहा गया है कि भूख व कर्ज से दबे परिवार में मां समेत तीन बच्चों की एकसाथ खुदकुशी ने व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। इस घटना को लेकर प्रदेशभर के लोगों में रोष व्याप्त है। अनुसूचित जाति परिवार के साथ हुई इस घटना पर राष्ट्रपति से न्याय की गुहार लगाई गई है।

नगर पंचायत में स्वच्छता को लेकर जन जागरूकता अभियान चलाया

अल्मोड़ा। चैत्राष्टमी मेले के मद्देनजर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में नगर पंचायत और गेवाड़ संकल्प समिति की ओर से स्वच्छता अभियान चलाया गया है। नगर पंचायत के धुधलिया वार्ड में अभियान के तहत महिला समूह को गीले और सूखे कूड़े के प्रबंधन की जानकारी दी गई। ताकि चौखुटिया नगर पंचायत को स्वच्छ रखा जा सके। साथ ही चैत्राष्टमी मेले के दौरान भी स्वच्छता अभियान के लिए चर्चा की गई।कार्यक्रम में नगर पंचायत ब्रांड एम्बेसडर तीलू रौतेली सम्मान से सम्मानित भावना शर्मा, नगर पंचायत कर्मचारी अमित कुमार के साथ मिलकर समूह का गठन भी किया गया।

सार्वजनिक स्थान पर गैस रिफिलिंग करने का आरोप

हल्द्वानी। काठगोदाम निवासी एक व्यक्ति ने कंपनी पर सार्वजनिक स्थान पर गैस रिफिलिंग करने का आरोप लगाया है। कहना है कि विरोध करने पर उनके साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस के मुताबिक इंदिरा कॉलानी निवासी अनिल कुमार का कहना है कि नैनीताल रोड स्थित एसबीआई के पास उनका प्रतिष्ठान है। वहीं पर एक कंपनी की ओर से गैस रिफिलिंग का कार्य किया जाता है। आरोप है कि कंपनी संचालक अशोक सक्सेना सार्वजनिक स्थान पर गैस रिफलिंग का कार्य करता है।

नैनीताल बैंक में महिला कॉलेज को भेंट की स्टील बेंच

हल्द्वानी। कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के तहत नैनीताल बैंक लिमिटेड की ओर से महिला महाविद्यालय हल्द्वानी को स्टील बेंच एवं सेनेटरी पैड डिस्पोजल मशीन प्रदान की गईं। सोमवार को कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी निखिल मोहन ने कहा कि बैंक हमेशा उत्तराखंड में अपनी सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करता आया है।

स्वास्थ्य विभाग से हटाए कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

पिथौरागढ़। स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों पर भर्ती किए गए आउटसोर्स कर्मियों ने नौकरी से हटाए जाने पर शासन व प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। सोमवार को डीएम कार्यालय पहुंचे कर्मियों ने कहा कि नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन, वार्ड ब्वॉय, डाटा एंट्री ऑपरेटर, फार्मासिस्ट सहित अन्य पदों पर नियुक्तियां की गई थी। कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बगैर ड्यूटी की थी। अब उन्हें नौकरी से निकालकर बेरोजगार किया जा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और प्रदेश सरकार पर युवाओं के जीवन से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया।

सेंपल दिखाने के बहाने ज्वेलरी पर किया हाथ साफ

हल्द्वानी। शहर के दो नामी ज्वेलरी शोरूम में सैंपल दिखाने के बहाने शातिर चोरों ने ज्वेलरी पर हाथ साफ कर लिया। हल्द्वानी में एक ही दिन में हुई चोरी की दो बारदातों से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, पीड़ितों की ओर से दी गई तहरीर के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच शुरू करने की बात कही जा रही है। पुलिस के मुताबिक नैनीताल रोड स्थित तनिष्क ज्वेलर्स के प्रकाश जोशी ने तहरीर दी है। कहना है कि रविवार को एक व्यक्ति ज्वेलरी खरीदने के बहाने शोरूम पहुंचा। इस दौरान शातिर चोर सोने की बाली चुराकर फरार हो गया।

'विकास में बाधा नहीं, सहयोग करे विपक्ष : बलराज पासी

हल्द्वानी। पूर्व सांसद बलराज पासी ने राज्य सरकार के बजट को ऐतिहासिक बताते हुए विपक्ष से विकास में बाधा न बनकर सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का बजट सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इससे प्रदेश में अभूतपूर्व विकास कार्य होंगे। भाजपा के कुमाऊं संभाग कार्यालय में सोमवार को पूर्व सांसद ने प्रदेश सरकार की खूबियां गिनाईं। कहा कि सरकार के बजट से पहाड़ों में स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत होने के साथ ही सड़कों की स्थिति में सुधार आएगा। पर्यटन को लेकर नई संभावनाएं तलाशी जाएंगी। पलायन को रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार पर जोर दिया गया है। सरकार ने मिशन एप्पल से लेकर उद्यान विभाग तक के लिए भारी भरकम बजट दिया है। युवा स्टार्टअप तैयार कर खुद का काम कर सकेंगे। बलराज पासी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर धामी उत्तराखंड के विकास के लिए महत्वपूर्ण फैसले ले रहे हैं। हल्द्वानी में नर्सिंग कॉलेज और पैरा मेडिकल कॉलेज में संसाधनों के अभाव के सवाल पर उन्होंने यह मुद्दा मुख्यमंत्री के सामने रखने की बात कही।

नैनीसैनी की महिलाओं ने प्रदर्शन कर बार बंद करने की उठाई मांग

पिथौरागढ़। नैनीसैनी खांकर में बियर बार का लाईसेंस निरस्त करने को महिलाएं सड़क पर उतर आई हैं।

महिलाओं का कहना है कि क्षेत्र में बार खुलने से अराजकता का माहौल पैदा हो गया है। दिनभर शराब के नशे में लोग आवाजाही कर रहे हैं। इससे महिलाओं और स्कूली पढ़ने वाली लड़कियों के लिए आवाजाही करना मुश्किल हो गया है। सोमवार को नैनीसैनी की महिलाएं और पुरुष नगर के टकाना स्थित कलक्ट्रेट पहुंची। इस दौरान उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। महिलाओं ने कहा कि बीते कुछ समय से खांकर क्षेत्र में बियर बार का संचालन किया जा रहा है। इससे आसपास रहने वाले ग्रामीणों को खासी दिक्कत उठानी पड़ रही है। बार खुलने से क्षेत्र में अराजकता बढ़ने लगी है।

इससे महिलाएं डरी हुई हैं। दिन में भी महिलाओं के लिए क्षेत्र में आवाजाही करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में कोई अनहोनी न हो,इसके लिए उक्त बार का बंद होना बेहद जरूरी है। बाद में आक्रोशित महिलाओं ने डीएम को भी ज्ञापन दिया। उन्होंने डीएम से बार का लाईसेंस बंद करने की मांग की है। यहां कौशल्या देवी, कलावती, कमला देवी, अंजू, हेमंती देवी, सावित्री देवी, निर्मला देवी, हेमा देवी, भावना देवी, अनीता देवी, मीना देवी, रेखा देवी, ज्योति देवी, गोविंद सिंह, नीरज सिंह, शुभम, नीरज महर, लक्ष्मन सिंह, पुष्कर सिंह, विक्रम सिंह, नवल सिंह, गौरव सिंह, संदीप आदि मौजूद रहे।

बाल विकास पर हुई कार्यशाला

चम्पावत। देवभूमि कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सभागार में बीएड प्रथम सेमेस्टर के छात्र छात्राओं ने बाल विकास पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

असिस्टेंट प्रोफेसर सावित्री करायत की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. दिशा थपलियाल और मुख्य वक्ता मनोज शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता मनोज शर्मा ने मानव विकास के विभिन्न पक्षों के बारे में चर्चा करते हुए अलग–अलग अवस्थाओं के बारे में बताया।

धारचूला में ग्रामीणों ने सेना के खिलाफ प्रदर्शन किया

पिथौरागढ़। देहात हाट के ग्रामीणों ने खेल मैदान न बनाने देने पर सेना के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि लीज अवधि समाप्त हो गई है। ग्रामीण उक्त स्थान में खेल मैदान बना रहे हैं तो सेना उन्हें रोकने का काम कर रही है। उन्होंने खेल मैदान न बनाने देने पर नाराजगी जताई है। सोमवार को नगर के तहसील परिसर में नर्मदा रावल और नवीन थलाल के नेतृत्व में ग्रामीण एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि हाट क्षेत्र में 35 नाली भूमि पर सेना को लीज पर दी गई थी। वर्ष 2009 में लीज की यह अवधि समाप्त हो गई है। अब ग्रामीण उक्त भूमि पर खेल मैदान बनाना चाहते हैं। बीते रोज ग्रामीण मशीन लेकर मौके पर पहुंचे, लेकिन सेना ने उन्हें खेल मैदान नहीं बनाना दिया।

सीएम को मांग पत्र भेजकर रुद्रपुर में हटाये गये व्यापारियों को पुनर्वासित करने की मांग की

सितारगंज और नानकमत्ता के प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने तहसीलदार जगमोहन त्रिपाठी के माध्यम से सीएम को मांग पत्र भेजकर रुद्रपुर में हटाये गये व्यापारियों को पुनर्वासित करने की मांग की।

सितारगंज प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव गुप्ता, महामंत्री मनीष किनरा, कोषाध्यक्ष दीपेंद्र सिंघल, नानकमत्ता व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश गोयल, महामंत्री गुरनाम सिंह, कोषाध्यक्ष मन्नू चौहान, जिला उपाध्यक्ष उमेश अग्रवाल, भीमसेन गर्ग, मूल चंद्र अग्रवाल ने कहा कि रुद्रपुर में पिछले 50 वर्ष से बस स्टेंड के सामने अपनी जीविका चला रहे व्यापारियों को प्रशासन ने बलपूर्वक हटाकर आजीविका समाप्त कर दी है। व्यापारियों ने अंयत्र बसाने की मांग की है। व्यापारियों ने कहा कि जब तक ये व्यापारी पुनर्वासित नहीं हो जाते तब तक जीवन यापन के लिए आर्थिक मदद दी जानी चाहिये

बागेश्वर कोल्टस क्लब ने जीता मुकाबला

बागेश्वर। क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में यहां पदम सिंह बघरी की स्मृति में आयोजित चतुर्थ डिस्ट्रिक लीग जारी है। सोमवार को एक मैच खेला गया। इसमें बागेश्वर कोल्टस क्लब की टीम विजयी रही और अगले चक्र में प्रवेश किया। टीम ने 317 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। डिग्री कॉलेज खेल मैदान में सोमवार को बागेश्वर कोल्टस व सनराइजर के मध्य मैच खेला गया। सनराइजर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए विपक्षी टीम को बुलाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोल्टस ने 39.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 317 रनों का स्कोर खड़ा किया। आयुष ने अपनी टीम के लिए सर्वाधित 86 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइज की टीम 26.2 ओवर में 101 रनों पर सिटम गई।

उपनल कर्मियों का धरना जारी

बागेश्वर। स्वास्थ्य विभाग में तैनात उपनल कर्मचारियों ने सोमवार को भी कलक्ट्रेट में धरना दिया। उन्होंने सेवा अवधि बढ़ाने की मांग की। ऐसा नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। स्वास्थ्य विभाग में कोविड काल के दौरान तैनात उपनल कर्मियों की सेवा समाप्त हो गई है। उनका कलक्ट्रेट में अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन जारी है। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि गत वर्ष भी 31 मार्च को भी उनका सेवाकाल समाप्त हो गया था। आंदोलन किया और छह माह की सेवा बढ़ी। बीते 15 मार्च को फिर सेवा अवधि समाप्त हो गई है। 61 कर्मचारी बेरोजगार हो गए हैं।

इस मौके पर अमरजीत, अंकित कुमार, सुनील कुमार, पंकज कुमार, महेश, दीपा देवी, रोहित, रीतू कन्नोजिया, पूजा कन्पनोटिया, सीता देवी, विक्रम सिंह, दिनेश कुमार आदि उपस्थित थे।

नगर पंचायत क्षेत्र में पथ प्रकाश की होगी बेहतर सुविधा

बागेश्वर। कपकोट नगर पंचायत की बोर्ड बैठक नगर पंचायत क्षेत्र में पथ प्रकाश की बेहतर सुविधा देने पर बल दिया गया। इसके अलावा गर्मी से पहले स्वच्छता अभियान चलाने तथा दवा का छिड़काव आदि कराने पर विचार किया गया। सभासदों ने अपने–अपने क्षेत्र के लिए खींचा गया विकास का खाका प्रस्तुत किया गया।

नगर पंचायत सभागार में सोमवार को बोर्ड बैठक आयोजित हुई। अध्यक्षता करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट ने वर्ष 2022–23 में पंचम वित्त मद प्राप्त धनराशि आय व्यय विवरण व अवशेष धनराशि निकायों को लेकर जानकारी दी। 2021–22 की द्वितीय अनटाइड तथा डायट फंड से प्राप्त 17.23 लाख की धनराशि बची है। इसके उपयोग को लेकर मंथन हुआ। कार्यालय के लिए नये वाहन खरीदने व कपड़ा वैडिंग मशीन लाने पर सहमति बनी है। इसके अलावा स्वच्छता अभियान चलाने तथा बेहतर पथा प्रकाश की व्यवस्था की जाएगी। इस पर सभासदनों ने सहमति जताई है। इस मौके पर सभासदों में तनुज तिरुवा,डुंगर सिंह, हेमा देवी, गोदा कपकोटी, प्रवीण ऐठानी, दीपक ऐठानी, सुंदर देव, गोविंद सिंह आदि मौजूद रहे। संचालन ईओ नवीन कुमार ने किया।

भवाली में जन सेवा कार्यालय का शुभारंभ

हल्द्वानी। नगर रामगढ़ रोड़ में व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेश पाण्डे के जन सेवा कार्यालय का शुभारंभ किया गया। विधायक सरिता आर्या ने रिब्बन काटकर स्वागत किया। विधायक सरिता आर्या ने कहा कि जन सेवा कार्यालय में जनता की सभी समस्याएं सुनी जाएंगी। कहा कि भारतीय जनता पार्टी का ही कार्यालय है। सभी समस्याओं को हल किया जाएगा। व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेश पाण्डे ने कहा कि जन सेवा के लिए कार्यालय खोला गया है। जो लोग मुख्यमंत्री व अन्य मंत्री तक अपनी समस्या नही पहुँचा पाते, उनकी समस्या ऊपर तक पहुँचाई जाएगी। सभी समस्याओं का हल किया जाएगा। इस दौरान विधायक सरिता आर्या, व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेश पाण्डे, मंडल अध्यक्ष पंकज अद्वैती, प्रकाश आर्या, मोहन सिंह बिष्ट, नीमा बिष्ट, उमा पढालनी आदि मौजूद रहे।

आंबेडकर की प्रतिमा खंडित करने वालों पर हो कार्रवाई

बागेश्वर। कोट भ्रामरी मंच गरुड़ में लगे भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा को क्षति पहुंचाने की घटना पर आंबेडकर जन जागृति समिति ने कड़ी आपत्ति जताई है। नाराज समिति ने प्रदर्शन किया। इस तरह के कृत करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इस आशय का एक ज्ञापन डीएम को सौंपा है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कुमार आर्या के नेतृत्व में लोग सोमवार को जिलाधिकारी से मिलने पहुंचे। यहां उन्होंने एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उनका कहना है कि गरुड़ के कोट भ्रमारी मंदिर में वर्षों पूर्व बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की गई। गत दिनों कुछ असामाजिक तत्वों ने उसे क्षति पहुंचाई है। जिसकी जानकारी उन्हें दूसरे दिन मिली। उन्होंने घटना की जानकारी एसडीएम गरुड़ को दे दी है।

आरके गुप्ता बने भाविप के प्रांतीय अध्यक्ष, नरेश कंसल बने महामंत्री

सितारगंज। भारत विकास परिषद उत्तराखंड की पूर्व प्रान्त की कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान आरके गुप्ता को प्रांतीय अध्यक्ष, नरेश कंसल को प्रांतीय महामंत्री और प्रियांशु बंसल को कोषाध्यक्ष चुना गया।

रामनगर के हनुमान धाम में आयोजित बैठक में 16 शाखाओं के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। मुरादाबाद से आये चुनाव अधिकारी निर्मल मेहता की देखरेख में तीनों पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए। रिजनल महासचिव अनुराग दुबलिस, सचिव अजय अग्रवाल, संयुक्त महासचिव नरेश नरेंद्र अरोड़ा ने सभी शाखाओं की प्रशंसा की। इस दौरान हल्द्वानी शाखा को प्रथम, काशीपुर शाखा को द्वितीय और विवेकानंद शाखा रुद्रपुर को तृतीय पुरस्कार दिया गया। हनुमान धाम के संस्थापक आचार्य विजय ने बैठक को संबोधित किया। रिजनल संरक्षक भगवान सहाय ने बताया कि धाम में चल रहे कार्यक्रम में 110 दिव्यांगों ने पंजीकरण कराया है। कार्यक्रम में डॉ विनय खुल्लर, सुरेश जैन, अजित सिंह जोशन, पाला मेहता आदि मौजूद रहे।

23 को सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर रामलीला मैदान पौड़ी में होगा कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान व स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी 23 मार्च को प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद में किये जाने वाले आयोजन के संबंध में विभिन्न अधिकारियों के साथ तैयारी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते हुए विभिन्न अधिकारियों को आयोजन के दायित्व तय करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर तथा विभिन्न विकासखंड स्तर पर आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम में आंमत्रित किये जाने वाले जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोगों को समय से निमंत्रण प्रेषित करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर रामलीला मैदान पौड़ी में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने लोनिवि प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता को कार्यक्रम में टैंट, फर्नीचर सहित जलपान की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने आयोजित कार्यक्रम में बहुउद्देशीय शिविर व स्वास्थ्य शिविरि लगाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी शामिल किया जाएगा, इसके लिए उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सांस्कृतिक दलों को सूचना देने के निर्देश दिये। इसके अलावा 24 से 30 मार्च तक समस्त विकासखंड़ों में बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन भी किया जाना है। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी से तथा स्वास्थ्य विभाग को वैक्सीनेशन कैम्प लगाने के निर्देश दिये। विकासखंड स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों में सेवायोजन विभाग, जिला उद्योग केंद्र और लीड बैंक अधिकारी युवाओं को रोजगारपरक गतिविधियों की जानकारी तथा विभिन्न कंपनियों में रोजगार प्रदान करने में सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभाग अपने-अपने विभागों से संबंधित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए लोगों को लाभावंित भी करेंगे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डे, अपर जिलाधिकारी ईला गिरी, विकासखंड़ों में निर्धारित तिथि के अनुसार कार्यक्रम कराने के लिए विकासखंड स्तर पर संबंधित खंडविकास अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया जायेगा। उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि दिव्यांगजनों के लिए शिविर लगाकर उन्हें कृत्रिम उपकरण वितरित करने परियोजना निदेशक डीआरडीए संजीव कुमार रॉय, जिला विकास अधिकारी पुष्पेंद्र चौहान, एसपी अनूप काला, मुख्य कृषि अधिकारी अमरेंद्र चौहान, मुख्य उद्यान अधिकारी डीके तिवारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राम सलोने, समाज कल्याण अधिकारी विनोद उनियाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक को संबोधित करते हुए।

सरकार का फोकस स्वरोजगार पर : कैंतुरा

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विपिन कैंतुरा ने कहा कि धारी सरकार द्वारा पेश किया गया बजट सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को 2025 तक देश का श्रेष्ठ राज्य बनाना है। इस दृष्टि से यह बजट इसके लिए आइना है। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास के ध्येय से प्रदेश को आगे बढ़ाने का कार्य सरकार कर रही है। इसी ध्येय से इस बजट में सभी वर्गों के हित शामिल किए गए हैं।

आदिति स्मृति न्यास में पत्रकारों से बातचीत में कैंतुरा ने कहा कि सरकार द्वारा पेश किया गया बजट तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को दर्शाता है। राज्य तेजी से अपने संसाधनों को बेहतर ढंग से अर्जित कर रहा है। शिक्षा, खेल, युवा कल्याण के लिए बजट में पर्याप्त प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के लिए सबसे ज्यादा ध्यान बजट में दिया गया है। इस बजट से गांवों के विकास की तस्वीर बदलेगी। मौके पर पूर्व राज्य मंत्री अतर सिंह असवाल ने कहा कि सरकार ने बजट में जो प्रावधान किए हैं उससे विकास की बयार बहेगी।

एरियर का भुगतान जल्द न होने पर अनशन करेगें स्वास्थ्य विभाग के रिटायर कर्मचारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मचारियों ने एरियर के भुगतान की मांग को लेकर सीएमओ कार्यालय परिसर में नारेबाजी की। सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मचारी एरियर का भुगतान नहीं होने से आक्रोशित हैं। इन कर्मचारियों का कहना है कि वर्ष 1995 से 2010 तक के एरियर का भुगतान आज तक नहीं हो पाया है। कर्मचारियों ने एरियर का भुगतान नहीं किए जाने पर अनशन किए जाने की चेतावनी भी दी। सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मचारी संगठन की कोषाध्यक्ष मुन्नी देवी ने कहा कि सेवानिवृत्त के बाद भी कार्मिको को अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन करना पड़ रहा है। कहा एरियर का भुगतान जल्द नहीं होने पर अनशन तक किया जाएगा।सोमवार को सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मचारी संगठन की अध्यक्ष गणेशी नेगी के नेतृत्व में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने सीएमओ कार्यालय परिसर में सांकेतिक धरना दिया। उन्होंने बताया कि जनपद पौड़ी में 200 से अधिक सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कार्मिक हैं, जिन्हें वर्ष 1995 से वर्ष 2010 तक के एरियर का भुगतान नहीं हो पाया है। कहा सरकार की बेरुखी से परेशान सेवानिवृत्त कर्मचारियों को हाईकोर्ट जाना पड़ा। हाईकोर्ट की सिंगल व डबल बैंच ने प्रदेश सरकार को जल्द से जल्द एरियर का भुगतान किए जाने का आदेश दिया था। अध्यक्ष नेगी ने बताया कि प्रदेश सरकार ने मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। लेकिन देश के सर्वोच्च न्यायालय ने स्वास्थ्य कार्मिको के हित में फैसला सुनाते हुए एरियर के भुगतान का आदेश दिया। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 1995 से अक्तूबर 2000 तक के एरियर का भुगतान उत्तर प्रदेश सरकार और नवंबर 2000 से वर्ष 2010 तक का भुगतान उत्तराखंड सरकार को करने का आदेश दिया है। बताया कि यूपी सरकार प्रदेश सरकार को एरियर का भुगतान कर चुकी है। कहा जनवरी 2023 में प्रदेश के स्वास्थ्य महानिदेशक ने समस्त जिले के मुख्य चिकित्साधिकारियों को एरियर के भुगतान के निर्देश दिए हैं, लेकिन पौड़ी में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय से आज तक भुगतान नहीं हो पाया है। प्रदर्शन करने वालो में मंत्री राजेंद्र सिंह रावत, वीरेंद्र प्रसाद, दिनेश पंत, पृथ्वी सिंह, स्नेहलता राणा, सर्वेश्वरी देवी, सरस्वती रावत, कीर्ति कुकरेती, आशा भटनागर, विमला रावत सहित बड़ी संख्या में कार्मिक शामिल रहे।

बांध से गंगा आरती के लिए पानी न छोड़ने से लोगों में आक्रोश

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर जल विद्युत परियोजना के बांध से शारदानाथ घाट तक पर्याप्त मात्रा में पानी न छोड़े जाने पर गंगा आरती समिति व स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त हो गया है।

इस संदर्भ में यहां गंगा आरती समिति की बैठक में कंपनी की मनमानी पर कड़ी आपत्ति दर्ज की गई। कहा पानी न छोड़े जाने से गंगा आरती में बड़ी दिक्कतें हो रही हैं। यहां पर नदी का प्रवाह सुचारु न होने से गंदगी हो रही है। उन्होंने कहा यदि कंपनी ने पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं छोड़ा तो गंगा आरती समिति और महिलाओं को उग्र आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा।

बैठक में गंगा आरती समिति के अध्यक्ष प्रेमबल्लभ नैथानी ने कहा कि कंपनी की मनमानी के कारण 13 फरवरी को भव्य शा-रदानाथ घाट(गंगा आरती घाट) के लोकार्पण के दिन भी पानी नहीं छोड़ा गया। कहा इस पूरे मामले में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत को भी पत्र भेजकर अवगत कराया गया है। कहा पांच किमी. के दायरे में पूरी अलकनंदा तालाब में तब्दील कर दी गई है। जिससे लोगों को आचमन के लिए भी शुद्ध पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है। उन्होंने चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले परियोजना कंपनी प्रशासन को अलकनंदा नदी में पर्याप्त मात्रा में पानी छोड़ने के साथ ही सप्ताह में तीन दिन पूरा पानी छोड़ने के निर्देश दिए जाने की मांग की है। इस मौके पर व्यापार सभा अध्यक्ष दिनेश असवाल, विमला बहुगुणा, सत्या काला, बीरा गैरोला, इंदिरा बिष्ट, आशा नेगी, राजेश्वरी जोशी, सुरजी उनियाल, सर्वेश्वरी, यशोदा खंडूड़ी, बसंती गरोला, अंजु नेगी, नीता नौटियाल, उर्मिला बिष्ट आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

लोयल गांव के ग्रामीणों को जागरुक किया

नई टिहरी। राजकीय महाविद्यालय पावकी देवी की धूम्रपान निषेध समिति ने धूम्रपान छोड़ने हेतु ग्रामीणों को गोष्ठी के माध्यम से प्रेरित किया। उन्होंने कहा सरकार की ओर से उत्तराखंड को नशा मुक्त किये जाने हेतु विभिन्न माध्यमों से अभियान चलाया जा रहा है। समिति के सदस्य डॉ. गुंजन जैन और डॉ. संजय कुमार के नेतृत्व में पावकी देवी के ग्राम लोयल में छात्रों ने ग्रामीणों को धूम्रपान से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया। समिति सदस्यों ने कहा कि धुम्रपान करने से जहां स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकुल प्रभाव पड़ता है, वहीं सामाजिक वातावरण खराब होता है, साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. छाया चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार की ओर से चलाई जा रही मुहिम तभी कारगर साबित होती है, जब लोग इसका पालन करें और मुहिम को आगे बढ़ाये। मौके पर डॉ.तनुआर बाली, डॉ. रेखा सिंह, छोटी देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

खान पान को लेकर जागरूक होना जरूरी : रावत

कैबिनेट मंत्री के नेतृत्व में निकाली जागरूकता रैली

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय सेवा योजना जनपद पौड़ी गढ़वाल के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के ईट राइट इंडिया मूवमेंट के तहत श्रीनगर में शिक्षा स्वास्थ्य एवं सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के नेतृत्व में जनपद स्तरीय रैली निकाली गई। कैबिनेट मंत्री डॉ0 रावत ने कहा कि इस रैली का उद्देश्य लोगों को खान-पान के प्रति जागरूक करना है। खान पान को लेकर जागरूक होना जरूरी है। कहा कि फास्ट फूड से दूर रहना चाहिए। मंत्री ने कहा कि जल्द ही श्रीनगर में खान पान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा संवाद कार्यक्रम ड्डी आयोजित किया जाएगा, ताकि छात्रों की समस्याओं को दूर किया जा सके। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर के बिडला परिसर से जन जागरूकता रैली का शुड्डारंड्डा उत्तराखंड के शिक्षा स्वास्थ्य एवं सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला समन्वयक परितोष रावत, हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राकेश नेगी ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में स्वयं सेवी द्वारा स्लोगन एवं नारे स्वस्थ ड्डोजन बेहतर जीवन, आज से थोड़ा कम तेल, चीनी, नमक, सही ड्डोजन खाना है जीवन स्वस्थ बनाना है, सही पोषण देश रोशन, सुरक्षित ड्डोजन करेंगे जीवन स्वस्थ बनाएंगे आदि नारे लगाते हुए लोगों को जागरुक किया। रैली श्रीनगर के विड्डिान्न मार्गों से होते हुए गोला मार्केट में जाकर संपन्न हुई। जहां पर रैली एक सड्डा के रूप में परिवर्तित हुई। जिला समन्वयक परितोष रावत ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत ईट राइट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित यह रैली लोगों को सही खान-पान के प्रति जागरूक करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि ईट राइट इंडिया मोमेंट ड्डारत सरकार एवं ड्डारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की एक पहल है। जिसकी टैगलाइन स्वस्थ ड्डोजन बेहतर जीवन है। उन्होंने बताया कि हमें खानपान में दलहन, अनाज, फल एवं सब्जियों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। नमक, चीनी, तेल का कम से कम उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राकेश नेगी ने किया। इस अवसर पर राजकीय पॉलिटेक्निक श्रीनगर के कार्यक्रम अधिकारी आशुतोष नयन नौटियाल, मनमोहन पटवाल, छात्रसंघ अध्यक्ष गौरव मोहन नेगी, अखिल सिंह सहित गढ़वाल विश्वविद्यालय के चार सौ से अधिक स्वयं सेवी उपस्थित रहे।

: कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के नेतृत्व में जागरूकता रैली निकालते हुए एनएसएस के स्वयं सेवी।

जल जीवन मिशन के कार्य 28 मार्च 2023 तक पूर्ण करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने पेयजल निगम, जल संस्थान व संबंधित अफसरो को लक्ष्य के सापेक्ष शेष कार्यों को 28 मार्च 2023 तक पूरा करने के निर्देश दिए।

कहा कि जिन कार्यों के टेंडर व रिटेंडर होने हैं उन्हें ड्डी समय पर पूरा कर लिया जाए। कहा कि जिस विड्डाग की पेयजल संयोजन की प्रगति संतोषजनक नहीं रहेगी, उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी।

सोमवार को आयोजित बैठक में डीएम डा. आशीष चौहान ने बताया कि जल संस्थान पौड़ी, कोटद्वार व जल निगम श्रीनगर व कोटद्वार को इसी माह मार्च तक पेयजल कनेक्शनों के 18644 का लक्ष्य दिया था, जिसमें 17805 कार्य पूर्ण हो चुका है। डीएम ने स्कूलों, पंचायत घरों, आंगनवाड़ी केन्द्रों, सामुदायिक शौचालयों, अस्पतालों, पटवारी चौकी आदि में शेष कार्यों की प्रगति बढ़ाते हुए जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। डीएम ने सीडीओ को जल जीवन मिशन योजना के तहत लग रहे पेयजल कनेक्शनों का सही डेटा संबंधित विड्डागों से लेंने व उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कहा कि जिन स्कूलों में पेयजल कनेक्शन लगने हैं वहां तत्काल कनेक्शन लगा दिए जाए। बैठक में सीडीओ अपूर्वा पांडे, अधीक्षण अड्डियंता पेजयल निगम संजय सिंह, सीईओ डा. आनंद ड्डारद्धाज, अधिशासी अड्डियंता जल संस्थान कोटद्वार, संतोष उपाध्याय आदि शामिल थे।

रुद्रप्रयाग उद्योग नगर मंडल में होगा नई कार्यकारिणी का चुनाव

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग नगर में नगर उद्योग व्यापार मंडल का कार्यकाल खत्म हो गया है। इसलिए जिला उद्योग व्यापार मंडल नई कार्यकारिणी के चुनाव की तैयारियों में जुट गया है। 21 से 30 मार्च तक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। जबकि 15 अप्रैल से पहले चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष अंकुर खन्ना ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 मार्च 2023 को नगर व्यापार मंडल रुद्रप्रयाग का कार्यकाल समाप्त हो गया है। व्यापार मंडल के नियमों के अनुसार तीन वर्ष के कार्यकाल के बाद चुना किया जाना है। उन्होंने बताया कि चुनाव से पहले सदस्यता अभियान चलाया जाएगा ताकि व्यापार मंडल द्वारा चुनी जाने वाली नई कार्यकारिणी में सभी व्यापारियों का योगदान हो। उन्होंने बताया कि 21 से 30 मार्च तक चलाए जाने वाले सदस्यता अभियान में प्रति व्यापारी के लिए 50 रुपया शुल्क तय किया गया है।

समापन पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र बांटे

नई टिहरी। जौनपुर के ग्राम साटागाढ़ (बांसी) में कताई बुनाई प्रशिक्षण कार्यक्रम में 60 प्रशिक्षणार्थियों को छः माह का कताई बुनाई का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण–पत्र भी बांटे गये। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहायक समाज कल्याण अधिकारी नवीन रावत ने कहा कि महिलाओं के स्वरोजगार व स्वावलंबन के इस तरह प्रशिक्षण जरूरी है। महिलाओं को इसका अधिकाधिक लाभ लेना चाहिए। समाज कल्याण के तहत उत्तराखंड बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम से पोषित एवं ड्डीम्स संस्था की ओर से संचालित प्रशिक्षण में शिल्पियों को मास्टर ट्रेनर के द्वारा फुल स्वेटर, हॉफ स्वेटर, जुराब, मफलर, दस्ताने, टोपी आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। जिससे स्वरोजगार अपना सकें। शिल्पियों द्वारा तैयार माल को बाजार तक पहुंचाने का पूरा प्रयास ड्डीम्स संस्था द्वारा किया जायेगा। स्थानीय मेलों में विभागीय स्टालों को लगवाकर बिक्री की जायेगी। इस मौके पर प्रधान साटागाढ़ बिनिता देवी, पूर्व प्रधान उर्मिला देवी, अमित भट्ट, लाखीराम, बाला देवी आदि मौजूद रहे।

काश्तकारों को दिया जड़ी–बूटी का प्रशिक्षण

चमोली। नीती घाटी के कई ग्रामीणों के काश्तकारों ने जड़ी–बूटी शोध संस्थान मंडल में विभिन्न औषधीय पौधों के बारे में जानकारी हासिल की।

साथ ही उन्हें विपणन और बाजार की व्यवस्था के बारे में भी जानकारी दी गई। नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क वन प्रभाग जोशीमठ की ओर से लाता–तपोवन कैट प्लान के तहत विभिन्न गांवों के काश्तकारों को जड़ी–बूटी शोध संस्थान मंडल का सात दिवसीय भ्रमण कराया गया। जिसमें नीती, गमशाली, मेहरगांव और मलारी के काश्तकार शामिल रहे।

काश्तकारों को कूट, अतीश, कुटकी, जीरा, काला जीरा, फरण, डौलू, चौरू आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि भविष्य में इसकी अपार संभावनाएं हैं। समापन कार्यक्रम के दौरान मुख्य वन संरक्षक नंदा देवी वायोस्फियर रिवर्ज गोपेश्वर के निशांत वर्मा, नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के उपवन संरक्षक वीपी मातोलिया, जड़ी–बूटी शोध संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सीपी कुडियाल, वैज्ञानिक डॉ. अरविंद भंडारी, कार्यक्रम के सह आयोजक नीती माणा औद्योगिक सांस्कृतिक व खेल विकास समिति के सचिव धीरेंद्र गरोडिया आदि मौजूद रहे।

सीओ ने किया थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

नई टिहरी। पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर ने थाना घनसाली का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस मौके पर सीओ ने थाना परिसर में साफ–सफाई, कार्यालय, मालखाना, हवालात का जायजा लेते हुए दस्तावेजों की जांच की। उन्होंने थाना में तैनात अधिकारी–कर्मचारियों की समस्याएं सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई की बात कही। सोमवार को थाना घनसाली पहुंचे सीओ सदर एसपी बलूनी ने भोजनालय, बैरक, आगंतुक कक्ष, महिला एवं शिशु कल्याण पटल, सीसीटीएनएस कक्ष, थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण किया। इस दौरान सीओ ने थाने में रखे अस्लाहों एवं आपदा संबंधी उपकरणों का भौतिक रूप से करते हुए आपदा उपकरणों के सम्बंध में कर्मचारियों से जानकारी ली। सीओ बलूनी ने थाना के अभिलेखों का अवलोकन करते हुए माल मुक़दमातियों, मुकदमाती वाहनों, तथा लंबित विवेचना एवं प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में सभी उपनिरीक्षकों को शिकायती प्रार्थना पत्रों, लंबित विवेचनाओं को शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश। निरीक्षण के पश्चात थाने में नियुक्त समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक करते हुए उनकी समस्यायें सुनीं।

संस्कृत शिक्षा परिषद और निदेशालय देहरादून में शिफ्ट हो

ऋषिकेश। संस्कृत छात्र सेवा समिति की बैठक में उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा परिषद एवं संस्कृत निदेशालय जल्द ही हरिद्वार से देहरादून शिफ्ट करने की मांग उठाई गई। सोमवार को संस्कृत छात्र सेवा समिति की बैठक कैलाश गेट स्थित कार्यालय में हुई। बैठक में अध्यक्ष सर्वेश तिवारी ने कहा कि पूर्व में उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा परिषद एवं उत्तराखंड संस्कृत निदेशालय को उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार के भवन में शिफ्ट कर दिया गया था। इसका व्यापक विरोध होने पर संस्कृत शिक्षा परिषद और संस्कृत निदेशालय को दोबारा देहरादून में शिफ्ट करने में आदेश जारी हुए थे। इस पर वर्तमान में कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है। इस कारण संस्कृत छात्रों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। जिन छात्रों की हाईस्कूल के अंकपत्र पर देहरादून का पता था, उनके इंटर के अंकपत्र पर हरिद्वार का पता होगा। इससे भविष्य में उनके प्रमाण पत्रों को लेकर संकट खड़ा हो सकता है। बैठक में कहा गया कि अगर जल्द ही उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा परिषद एवं संस्कृत निदेशालय को देहरादून में शिफ्ट नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। मौके पर पुरुषोत्तम कोठारी, सूरज बिजल्वाण, सुरेश पंत, शुभम नौटियाल, शुभम सिलस्वाल, अभिषेक मैठाणी आदि उपस्थित रहे।

ग्रेड पे वृद्धि समेत विभिन्न मांगों को लेकर मुखर हुए रोडवेज कर्मी

ऋषिकेश। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ऋषिकेश शाखा से जुड़े रोडवेज कर्मियों ने लंबित मांगों को लेकर आंदोलन की रणनीति पर मंथन किया। इस दौरान कर्मचारियों के हितों की अनदेखी करने पर राज्य परिवहन निगम प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश जताते हुए नारेबाजी भी की।

कर्मचारियों ने क्षेत्रीय सहायक महाप्रबंधक को मांगपत्र भी सौंपा। मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आर–पार के संघर्ष का ऐलान किया। सोमवार को संयुक्त यात्रा रोडवेज बस अड्डा परिसर में रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ऋषिकेश शाखा की बैठक लंबित समस्याओं को लेकर हुई। बैठक में रोडवेज कर्मियों ने ग्रेड पे 1900 से बढ़ाकर 2400 करने, ऋषिकेश डिपो में रोडवेज कर्मियों की कमी दूर करने, मैदानी और पर्वतीय रूट पर पूर्व की तरह किलोमीटर निर्धारित करने सहित विभिन्न लंबित मांगों पर चर्चा की गई। शाखा अध्यक्ष जगदीश कुमार ने बताया कि पिछले काफी समय से रोडवेज कर्मी समस्याओं को लेकर संघर्षरत हैं। हर बार निगम प्रबंधन जल्द उचित कार्रवाई का आश्वासन देता है, लेकिन आज तक मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई। लगतार उपेक्षा के चलते मजबूरन आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। इस दौरान रोडवेज कर्मियों ने राज्य परिवहन निगम प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। क्षेत्रीय सहायक महाप्रबंधक पीके भारती को मांग पत्र भी सौंपा। मौके पर शाखा मंत्री प्रदीप कुमार, आकाश गुप्ता, राजीव कुमार, आशु कुकरेती, अर्जुन, रणपाल, बृजपाल, जय सिंह, चंदन सिंह, मुकेश बिष्ट आदि मौजूद रहे।

दोस्त बनकर 77 हजार रूपये ठगे

ऋषिकेश। लोगों को जागरूक करने बावजूद ऑनलाइन ठगी की घटनाएं थम नहीं रही हैं। नकरौंदा निवासी एक शख्स को अज्ञात शख्स ने मोबाइल पर कॉल की। दोस्त बनकर झांसे में लिया और बैंक खाते से 77 हजार रुपये की नगदी साफ कर दी। अकाउंट से रकम कटने पर पीड़ित कोतवाली पहुंचा। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक नकरौंदा स्थित आदर्श कॉलोनी निवासी धर्मेंद्र पुत्र अवतार सिंह फोनिया ने यह शिकायत दी। प्रभारी निरीक्षक राजेश शाह ने बताया कि अज्ञात ठग की पहचान के लिए पुलिस के साइबर सेल की मदद ली जा रही है।

21 मार्च को गो बचाओ जन जागरण यात्रा होगी शुरू

ऋषिकेश। श्री राम गोधाम सेवा समिति 21 से 27 मार्च तक गो संरक्षण के लिए गो बचाओ जन जागरण यात्रा निकालेगी। यह ऋषिकेश से शुरू होकर उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों से निकलेगी। 27 मार्च को इस यात्रा का समापन ऋषिकेश में होगा। सोमवार को तपोवन आनंद धाम में श्री राम गोधाम सेवा समिति की प्रेस वार्ता हुई। प्रेस वार्ता में महामंडलेश्वर ईश्वर दास महाराज ने कहा कि 21 से 27 मार्च तक गो बचाओ जन जागरण यात्रा का आयोजन होगा। इसमें लोगों को गो संरक्षण के लिए जागरूक किया जाएगा। श्री राम गोधाम सेवा समिति के संस्थापक जगदीश प्रसाद भट्ट ने कहा कि यह यात्रा 21 मार्च को ऋषिकेश से शुरू होगी। देहरादून, मसूरी, लाखामंडल, नौगांव, बड़कोट, चमोली, श्रीनगर कमलेश्वर महादेव मंदिर, कीर्ति नगर, देवप्रयाग, सतपुली, कोटद्वार, हरिद्वार से वापस 27 मार्च को ऋषिकेश पहुंचेगी।

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना
आज़ादी का अमृत महोत्सव
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक द्वारा मुरादाबाद मंडल में स्टैंड अलोन आधार पर वाटर वेंडिंग मशीन की स्थापना और संचालन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा की अंतिम तिथि/समय 13.04.2023 को 15:00 बजे तक है। बोलीकर्ता अपनी मूल/संशोधित बोलियां अंतिम तिथि और समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा से संबंधित जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। सभी नियम और शर्तें उसमें निर्धारित हैं। सं0– V-20/WVM/MB-DIV/22C दिनांक : 20.03.2023 843/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

शराब बिक्री से महिला कल्याण!

विधानसभा सत्र स्थगित होने के बाद आयोजित हुई कैबिनेट की बैठक 2 मायने में काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। एक तो प्रदेश की आबकारी नीति को मंजूरी दी गई है, जिसमें शराब के शौकीनों को आंशिक तौर पर शराब खरीदने में वर्तमान वित्तीय वर्ष की अपेक्षा राहत मिलेगी, तो वही उत्तराखंड में मकान बनाने के लिए नक्शा पास कराने की प्रक्रिया को सरल किया गया है। उत्तराखंड की बहूप्रतीक्षित आबकारी नीति 2023–24 को हरी झंडी दे दी गई है। जहां एक तरफ उत्तराखंड में महिलाएं शराबबंदी की मांग करती आ रही है, वही सरकार ने इस बार देशी एवं विदेशी शराब को सस्ती करने का भी ऐलान कर दिया है। इसका प्रमुख कारण पड़ोसी राज्यों से होने वाली शराब की तस्करी को रोकने के लिए उठाया गया कदम माना जा रहा है। हालांकि यह शराब कितनी सस्ती होगी अभी यह तय नही है, लेकिन इतना जरूर कहा गया है कि शराब के ब्रांड के अनुसार 100 से 300 रुपए प्रति बोतल तक शराब के शौकीनों को राहत मिलेगी। राज्य सरकार ने शराब सस्ती करने का पैमाना उत्तर प्रदेश से मापा है और फैसला लिया है कि उत्तराखंड और यूपी के बीच विभिन्न ब्रांडों के बीच 20 तक का ही अंतर रहेगा लेकिन यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शराब की सर्वाधिक तस्करी चंडीगढ़ एवं हिमाचल व हरियाणा की शराब की होती है जिनके दाम उत्तर प्रदेश की शराब से भी काफी कम है, इन्हीं 2 राज्यों की शराब सबसे अधिक उत्तराखंड में तस्करी की जाती है। इस सब के बावजूद सरकार के इस फैसले से शराब तस्करी के मामलों में कोई कमी आएगी इसकी उम्मीद कम ही नजर आ रही है, हां इतना जरूर है कि यदि हिमाचल प्रदेश की तुलना में शराब की कीमतें रखी गई होती तो निश्चित तौर पर अवैध शराब की तस्करी पर कुछ हद तक लगाम कसी जा सकती थी। यह काफी अचंभित करने वाला है कि शराब की बिक्री से अब सरकार गोवंश संरक्षण का भी काम करेगी जबकि खिलाड़ियों एवं महिला कल्याण के लिए भी शराब की बिक्री से पैसा निकाला जाएगा। दूसरा महत्वपूर्ण फैसला नक्शे पास कराने की प्रक्रिया को आसान करना है जो एक आदमी आदमी की सबसे बड़ी जरूरत है। नक्शे पास कराने के लिए राज्य के प्राधिकरण काफी जटिल प्रक्रिया अपनाते हैं जिससे मकान स्वामियों को आर्थिक एवं मानसिक तौर पर काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यहां सरकार का फैसला सराहनीय है जिसमें उत्तराखंड में एकल आवास के नक्शे पास कराने की प्रक्रिया को आसान करने के साथ ही नक्शे के लिए एफिडेविट के साथ आवेदन करने का विकल्प रखा है। कार्य में तेजी लाने की दिशा में यह भी प्रावधान रखा गया है कि यदि प्राधिकरण 7 दिन के अंदर फाइल पर कोई आपत्ति नहीं लगाता है तो भवन स्वामी भू निर्माण का कार्य शुरू कर सकेंगे। हालांकि यह कहना मुश्किल है की प्रक्रिया आसान किए जाने के बाद भी प्राधिकरण नक्शे पास करने की गति में तेजी ला पाएगा।

भारत को बुनियादी ढांचे में भारी भरकम निवेश की आवश्यकता है। इससे ही विकास की गाड़ी तेज गति से आगे बढ़ सकती है। ऐसे में सरकार को पूँजीगत व्यय और राजस्व संग्रह दोनों में तेजी लानी होगी और दोनों के बीच संतुलन बनाकर राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की दिशा में काम करना होगा,क्योंकि ज्यादा कर्ज लेकर आधारभूत संरचना को मजबूत करने के खतरे भी हैं। होने से निजी निवेश में कमी आती है, क्योंकि लोग यह समझते हैं कि आधारभूत संरचना को मजबूत करने की ज़िम्मेदारी सरकार की है। इसके अलावा, कर्ज की राशि पर ज्यादा ब्याज अदा करने से विकास के कार्यों में रूकावट आती है।
चूंकि,वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार तथा निगम कर को पहले ही तार्किक बनाया जा चुका है, इसलिए, फिलहाल इस मोर्चे पर स्थिति और भी बेहतर होने की उम्मीद न्यून है अर्थात कर संग्रह में तेजी लाने की संभावना बहुत ही कम हो गई है। ऐसे में सरकार गैर कर राजस्व की मदद से स्थिति में बेहतरी लाने की कोशिश कर सकती है, क्योंकि एक अनुमान के अनुसार केंद्र सरकार का कर्ज वित्त वर्ष 2023–24 में आंशिक रूप से बढ़ सकता है। फिलहाल, केंद्र सरकार को कर राजस्व का 45 प्रतिशतकर्ज की ब्याजअदायगी में खर्च करना पड़ रहा है।

सामयिक : महंगाई से बढ़ेगी दूरियां

सतीश सिंह

जनवरी 2023 में देश का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 6.52 प्रतिशत के स्तर पर पहुँच गया,जो पिछले 3 महीनों में सबसे ऊंचा स्तर है।

इससे पहले, दिसम्बर 2022 में खुदरा महंगाई 5.72 प्रतिशत थी, जबकि जनवरी 2022 में यह 6.01 प्रतिशत थी। इससे पहले,अक्टूबर 2022में खुदरा महंगाई 6.77 प्रतिशत के स्तर पर पहुँच गई थी। खुदरा महंगाई में तेजी का कारण खाद्य पदाथरे की कीमतों में तेजी आना है। केंद्रीय बैंक ने खुदरा महंगाई की निचली सीमा 2 प्रतिशत और ऊपरी सीमा 6 प्रतिशत निर्धारित की है अर्थात महंगाई दर 2 से 6 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए,लेकिनचालू वित्त वर्ष के दौरान सिर्फ नवम्बर और दिसम्बर 2022 में ही रिजर्व बैंक इस लक्ष्य को हासिल कर पाया है। अभी कोर महँगाई भी उच्च स्तर पर बनी हुई है।

मुसीबत यह है कि महंगाई के फिर से निर्धारित सीमा से ऊपर जाने से भारतीय रिजर्व बैंक नीतिगत दरों को फिर से बढ़ा सकता है। एक अनुमान के अनुसार रिजर्व बैंक अप्रैल, 2023 में होने वाली मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 25 आधार अंक की बढ़ोतरी कर सकता है। चूँकि, अभी महँगाई घटने की उम्मीद कम है, इसलिए,लंबे समय तक नीतिगत दर उच्च स्तर पर बनी रह सकती है और अगर ऐसा हुआ तो विकास की रफ्तार आगामी महीनों में भी नरम बनी रहेगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी

कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.4 प्रतिशत रहा,जो भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुरूप है। वित्त वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही में जीडीपी 21.6 प्रतिशत रही थी, जबकि वित्त वर्ष 2022–23 की पहली तिमाही में जीडीपी 13.2 प्रतिशत रही थी।

वहीं,वित्त वर्ष 2021–22 की दूसरी तिमाही में जीडीपी 9.1 प्रतिशत और तीसरी तिमाही में 5.2 प्रतिशत रही,जबकि वित्त वर्ष 2022–23 की दूसरी तिमाही में जीडीपी 6.3 प्रतिशत और तीसरी तिमाही में 4.4 प्रतिशत रही। एनएसओ ने अपने दूसरे अग्रिम अनुमान में चालू वित्त वर्ष में 7 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने का अनुमान जताया है। एनएसओके अनुसारआधार वर्ष 2011–12 में स्थिर मूल्यपर तीसरी तिमाही में जीडीपी के राशि में 40.19 लाख करोड़ रु पये रहने का अनुमान है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 38.51 लाख करोड़ रु पये था. विनिर्माण क्षेत्र के खराब प्रदर्शन की वजह से जीडीपी में गिरावट दर्ज की गई है. दिसंबर तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में 1.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में 1.3 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्ज की गई थी. जून और सितंबर तिमाही में जीडीपी कमजोर आधार के कारण प्रभावित हुआ था। वित्त वर्ष 2021–22 की पहली छमाही में आर्थिक सुधार की प्रक्रिया महामारी की दूसरी लहर से बाधित हुई थी और अब दिसंबर तिमाही के जीडीपीआंकड़ों पर महँगाई का नकारात्मक असर पड़ा है। इसी वजह से माँग कम हुई और विकास बाधित हुई।

फिलहाल, सरकार उच्च पूंजीगत व्यय के माध्यम से विकास की रफ्तार को बरकरार रखने की कोशिश कर रही है, लेकिन निजी पूंजीगत व्यय के कमजोर रहने से सरकार मामले में अपेक्षित परिणाम पाने में असफल रही है। वैसे,सकल स्थायी पूंजी निर्माण बढ़कर 8.3 प्रतिशत हो गया है, लेकिनचालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में निजी खपत में केवल 2.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

फिलवक्त,राजकोषीय हालात भी अच्छी नहीं है। सरकार ने वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान राजकोषीय घाटे को कम करके जीडीपी के 5.9 प्रतिशत के स्तर पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। अभी यह घाटा जीडीपी का 6.4 प्रतिशतहै अर्थात हर साल राजकोषीय घाटे में 0.7 प्रतिशतकी कमी करनी होगी, जो आसान नहीं है, क्योंकि जीडीपी की रफ्तार कम हो गई है।

धीमी वृद्धि से कर संग्रह में कमी आ जाती है। वर्ष 2024 चुनावी साल है। इसलिए, इस साल राजकोषीय घाटा कम होने की जगह बढ़ सकता है, क्योंकि सरकार आम जनता को लुभाने के लिए सरकारी व्यय में इजाफा कर सकती है। वैसे,वर्ष 2004 में एफआरबीएम अधिनियम लागू होने के बाद से अब तक केंद्र सरकार सिर्फ 4 बार ही घाटे को 0.7 प्रतिशत या उससे अधिक कम कर सकी है। पहली बार वित्त वर्ष 2021–22 में सरकार ने घाटे में 2.46 प्रतिशत की कमी की थी, लेकिन उस कालखंड में कोरोना महामारी की वजह से उच्च आधार की स्थिति बन गई थी, जिसके कारण राजकोषीय घाटे में कमी आई थी।

भारत को बुनियादी ढांचे में भारी भरकम निवेश की आवश्यकता है। इससे ही विकास की गाड़ी तेज गति से आगे बढ़ सकती है। ऐसे में सरकार को पूँजीगत व्यय और राजस्व संग्रह दोनों में तेजी लानी होगी और दोनों के बीच संतुलन बनाकर राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की दिशा में काम करना होगा,क्योंकि ज्यादा कर्ज लेकर आधारभूत संरचना को मजबूत करने के खतरे भी हैं। होने से निजी निवेश में कमी आती है, क्योंकि लोग यह समझते हैं कि आधारभूत संरचना को मजबूत करने की ज़िम्मेदारी सरकार की है। इसके अलावा, कर्ज की राशि पर ज्यादा ब्याज अदा करने से विकास के कार्यों में रूकावट आती है।

चूंकि,वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार तथा निगम कर को पहले ही तार्किक बनाया जा चुका है, इसलिए, फिलहाल इस मोर्चे पर स्थिति और भी बेहतर होने की उम्मीद न्यून है अर्थात कर संग्रह में तेजी लाने की संभावना बहुत ही कम हो गई है। ऐसे में सरकार गैर कर राजस्व की मदद से स्थिति में बेहतरी लाने की कोशिश कर सकती है, क्योंकि एक अनुमान के अनुसार केंद्र सरकार का कर्ज वित्त वर्ष 2023–24 में आंशिक रूप से बढ़ सकता है। फिलहाल, केंद्र सरकार को कर राजस्व का 45 प्रतिशतकर्ज की ब्याजअदायगी में खर्च करना पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई की वजह से रिजर्व बैंक नीतिगत दरों को बढ़ाने के लिए आगामी मौद्रिक समीक्षाओं में मजबूर होसकता है और तदुपरांत,बैंक कर्ज दर में इजाफा करेंगे और कर्ज महंगा होने से मांग में कमी आयेगी। बढ़ती महंगाई की वजह से लोगों के खर्च करने की क्षमता भी कम हुई है, विकास की गति कम होने से कर संग्रह में भी कमी आ रही है, जिसकी पुष्टि जीएसटी संग्रह के फरवरी, 2023 में एक लंबे समय के बाद 1.5 लाख करोड़ रूपये से कम होने से होती है। लिहाजा, भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार और केंद्रीय बैंक को जल्द से जल्द महंगाई पर काबू पाना होगा।

बिजी लाइफ के कारण सेहत हो रही है खराब तो आजमाएं ये 7 आसान टिप्स

आपको देर रात खाने से बचना चाहिए क्योंकि उस दौरान आपका मेटाबॉलिज्म धीमा होता है. यह आपको अतिरिक्त वजन कम करने में मदद करेगा और सोने से पहले अपने शरीर को साफ करने का समय देगा. जब आप भोजन करने के बाद भूख महसूस करते हैं, तो हमेशा हेल्दी स्नैक्स का चयन करें. आप चॉकलेट, चिप्स या कोल्ड ड्रिंक्स की जगह फल, सूखे मेवे, दूध और मूंगफली खा सकते हैं. ऐसा करने से, आप ट्रांस फैट से बच जाएंगे और अपने शरीर को आवश्यक खनिज और एंटीऑक्सीडेंट भी मिलेगा. आप जो कुछ भी खाते हैं उस पर ध्यान देने से और हेल्दी स्नैक्स का चुनाव करने से वजन कम करने में मदद मिलेगी।

जब जीवन अस्त–व्यस्त हो जाता है तो हमारी स्वस्थ दिनचर्या अक्सर पटरी से उतर जाती है. हम अक्सर अपना खाना, व्यायाम छोड़ देते हैं और अपना ख्याल रखना भूल जाते हैं. इससे कई बीमारियां और अनहेल्दी जीवनशैली की शुरुआत हो जाती है. लेकिन, अपने व्यस्त कार्यक्रम के दौरान भी अपने स्वास्थ्य को बनाए रखना असंभव नहीं है. व्यस्त दिनचर्या होने के बावजूद आप कुछ ऐसे उपाय अपना सकते हैं जिससे हेल्थ को पूरी तरह से मेनटेन रहेगी. हम आपको ऐसे ही कुछ उपाय बताने जा रहे हैं जिसको अपने दैनिक जीवन में उतारने से आपकी सेहत पूरी दुरुस्त रहेगी और आपका शरीर एनर्जी से भरपूर रहेगा.

ये 7 हेल्दी ईटिंग टिप्स आपके अस्त–व्यस्त जीवन के बीच आपकी सेहत को ठीक रखने में अहम भूमिका निभायेगा.

नाश्ते के लिए प्रोटीन

आपको नाश्ता खाना कभी नहीं छोडऩा चाहिए. नाश्ता पूरे दिन के लिए टोन सेट करता है और आपके शरीर को आवश्यक ऊर्जा देता है. नाश्ता न करने से ध्यान केंद्रित करने और चीजों पर ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो सकती है और यहां तक कि आप दोपहर के भोजन के दौरान ज्यादा खा सकते हैं. इसलिए, आपको अपने शरीर को पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखने के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का चुनाव करना चाहिए.

हाइड्रेटेड रहें

अपने शरीर को हर समय हाइड्रेटेड रखना जरूरी है. पानी पोषक तत्वों को आपकी कोशिकाओं तक भी पहुंचाता है और शरीर से अशुद्धियों को दूर करने में मदद करता है. यदि आप डीहाइड्रेट हैं तो आपका मस्तिष्क अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगा आपका कॉनेटिव फंक्शन भी बिगड़ सकता है.

कुछ लोग अपने शरीर को आवश्यक ऊर्जा प्रदान करने के लिए कॉफी के आदी होते हैं. हालांकि, बहुत अधिक कैफीन हानिकारक है. यह आपके रक्तचाप को बढ़ा सकता है और निर्जलीकरण और खराब संज्ञानात्मक कार्य को जन्म दे सकता है. इसलिए इसका सेवन सीमित मात्रा में करें.

खाने के घंटे निश्चित करें

हम सभी अपने काम को पूरा करने और अपनी समय सीमा को पूरा करने के लिए समय निर्धारित करते हैं. इसी तरह, आपको स्वस्थ विकल्प बनाने के लिए खाने के घंटे निश्चित करने चाहिए और अनहेल्दी स्नैक खाने के लिए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए. इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि आपके पास तदनुसार अपना भोजन तैयार करने का समय है.

बहुत देर से न खाएं

आपको देर रात खाने से बचना चाहिए क्योंकि उस दौरान आपका मेटाबॉलिज्म धीमा होता है. यह आपको अतिरिक्त वजन कम करने में मदद करेगा और सोने से पहले अपने शरीर को साफ करने का समय देगा.

हेल्दी स्नैक्स का चुनाव

जब आप भोजन करने के बाद भूख महसूस करते हैं, तो हमेशा हेल्दी स्नैक्स का चयन करें. आप चॉकलेट, चिप्स या कोल्ड ड्रिंक्स की जगह फल, सूखे मेवे, दूध और मूंगफली खा सकते हैं. ऐसा करने से, आप ट्रांस फैट से बच जाएंगे और अपने शरीर को आवश्यक खनिज और एंटीऑक्सीडेंट भी मिलेगा. आप जो कुछ भी खाते हैं उस पर ध्यान देने से और हेल्दी स्नैक्स का चुनाव करने से वजन कम करने में मदद मिलेगी.

फूड प्लान बनाएं

अस्त–व्यस्त के बीच आपको फूड प्लान बनाना चाहिए. इससे आपका बहुत समय बचेगा. आप सब्जियों को पहले ही काट कर स्वस्थ खाना आसानी बना सकते हैं. इसके साथ ही, अपनी छुट्टी के दिन पूरे साप्ताह के लिए फूड प्लानिंग कर सकते हैं.

छोटे ब्रेक लें

अपने काम के बीच छोटे–छोटे ब्रेक लेने से आपकी प्रोडक्टिविटी और कंसंट्रेशन पावर में वृद्धि करने में मदद मिलती है, खासकर तब जब आप बहुत व्यस्त हों. इसके अलावा, भोजन करते समय अपनी स्क्रीन से दूर रहें और ध्यान लगाकर और पूरी तरह चबाकर खाना खाएं.

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमेशा महत्वपूर्ण होता है, भले ही इसके लिए एक्सट्रा एफर्ट लगाना पड़े. उपरोक्त युक्तियों के साथ, आपको अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड और एक शिथिल जीवन शैली से बचना चाहिए. यदि आपको किसी बीमारी का संदेह है, तो आपको शीघ्र निदान के लिए तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए.

सभी मुद्दों से ध्यान हटा है

संसद के बजट सत्र में सभी जरूरी मुद्दों से ध्यान हटा हुआ है। यह भाजपा की रणनीति की सफलता है। उसने विपक्ष को एक मुद्दे में उलझा रखा है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों को लग रहा है कि राहुल गांधी के देश का अपमान करने वाली बहस की काट अदानी समूह की जेपीसी जांच है। सवाल है कि अदानी समूह की जेपीसी जांच से क्या हासिल होना है? इससे पहले किसी जेपीसी जांच से कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। ऊपर से अदानी समूह की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की एक कमेटी बनी हुई है, जो दो रिटायर जज भी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को अलग से जांच करने के लिए कहा हुआ है। सो, जेपीसी की जांच से कुछ बड़ा खुलासा हो जाएगा, ऐसा नहीं है। जनता के बीच भी इस बात से सरकार की साख खराब होगी, इसमें भी संदेह है।

लेकिन इस वजह से विपक्ष ने जरूरी मुद्दों को छोड़ा हुआ है। जरूरी मुद्दा महंगाई का है। एक–दो महीने की कमी के बाद फिर से खुदरा महंगाई की दर रिजर्व बैंक की तय सीमा से ऊपर चली गई है। लगातार दो महीने से महंगाई दर छह फीसदी से ऊपर है। देश में बेरोजगारी की दर सात फीसदी से ऊपर है। सरकार ने अगले साल के बजट में मनरेगा से लेकर खाद्य सुरक्षा तक के बजट में कटौती की है। केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग से सभी विपक्षी पार्टियों के ऊपर शिकंजा कसा है।

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया गया है। तेजस्वी यादव से लेकर के कविता तक कई नेताओं पर तलवार लटकी है। विपक्ष को इसकी सुध नहीं है। एक अदानी के मसले के पीछे सारे जरूरी मुद्दे छिप गए हैं। अदानी का मुद्दा भी ज्यादा अपील इसलिए नहीं कर रहा है क्योंकि उससे ज्यादातर लोग अप्रभावित हैं और देश की अर्थव्यवस्था पर भी कोई असर नहीं हुआ है। शेयर बाजार अब भी 60 हजार के आसपास ही है।

पाकिस्तान का खस्ताहाल और भारत

अजय दीक्षित

पाकिस्तान सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है । पिछले 25 वर्षों में पाकिस्तान पर कर्ज 3 लाख करोड़ रुपये पाकिस्तानी रुपए से बढ़कर 2022 तक 62.5 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये तक पहुंच चुका है । पिछले 25 वर्षों में एक तरफ सरकारी कर्ज 14 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ा, जबकि पाकिस्तान की जीडीपी मात्र 3 प्रतिशत की दर से ही बढ़ पाई । इसके चलते सरकारी कर्ज देश की क्षमता से कहीं ज्यादा पहुंच गया है क्योंकि कर्ज पर ब्याज और वापसी की देनदारी 5.2 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये तक पहुंच गई है, जो कि सरकार की कुल आमदनी से भी कहीं ज्यादा है । हालांकि इमरान खान की सरकार इसी राजकोषीय कुप्रबंधन के चलते गिर गई थी, लेकिन देश की वर्तमान सरकार भी स्थिति को संभालने में पूरी तरह से नाकामयाब रही है । 18 फरवरी 2023 को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने बयान दिया है कि पाकिस्तान की सरकार अपनी देनदारी से पहले ही कोताही कर चुकी है । इस बारे में आर्थिक विशेषज्ञ एक मत हैं कि पाकिस्तान के आर्थिक संकट के लिए कोई और नहीं, पाकिस्तान के हुक्मरान ही जिम्मेदार हैं ।

अर्थशास्त्री पाकिस्तान की दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों तरह की कई नीतियों के आलोचक रहे हैं, और उन्हें भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान की वर्तमान दुर्दशा के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं। सेना में आवश्यकता से अधिक निवेश करने से लेकर 'मुफ्त उपहार' देने और अस्थिर राजनीतिक वातावरण होने तक कई मुद्दों का जिक्र आता है। पाकिस्तान हुक्मरानों के निर्णयों की बात करें तो ध्यान में आता है कि उनके द्वारा कई नीतिगत फैसले लिये गये जो उसके राजनीतिक हित में थे न कि पाकिस्तान के आर्थिक हित में । सरकारों ने सिर्फ लोगों को खुश करने के लिए मुफ्तखोरी का रास्ता लिया। वस्तुओं की कीमतों को कम रखने के लिए लोक लुभावन उपायों का उपयोग किया जिससे खजाने पर बोझ बढ़ा, सरकारी सब्सिडी का अंधाधुंध इस्तेमाल हुआ ।

भारत सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के माध्यम से जो राजस्व जुटाया, उसका उपयोग उसने अपने स्वयं के धन से अधिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए किया । दूसरी तरफ पाकिस्तान ने विदेशी ऋणों पर सवार बुनियादी ढांचे का निर्माण किया । पाकिस्तान धनाभाव के चलते अपनी जरूरतों के अनुसार नहीं बल्कि किसी विदेशी शक्ति (चीन) के इशारे पर बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, जिससे उसको फायदा तो कम हो रहा लेकिन कर्ज का बोझ इतना बढ़ गया है कि उसको चुकाना पाकिस्तान के बूते से बाहर हो गया । 'चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' (सीपीईसी) इसका जीता जागता उदाहरण है । यह चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' का हिस्सा है । कुछ बिजली संयंत्र भी इस परियोजना के हिस्से हैं । पाकिस्तान की समस्या उन ऋणों के कारण है जो उनके उस बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए हैं जो पाकिस्तानियों के लिए किसी काम के नहीं थे । वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान के पास पर्याप्त ग्रिड कनेक्टिविटी ही नहीं है, इसलिए सीपीईसी की बिजली परियोजना पाकिस्तान के किसी काम की नहीं । उसी तरह से अन्य प्रकार का इंफ्रास्ट्रक्चर भी पाकिस्तान के लिए पर्याप्त धन जुटाने में अपर्याप्त है । इस ऋण ने केवल पाकिस्तान के लिए भुगतान संतुलन की समस्याएं पैदा की और पाकिस्तानी मुद्रा का अभूतपूर्व मूल्यह्रास हुआ ।

आज, पाकिस्तान की विनिमय दर 261.7 पाकिस्तानी रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर है । पाकिस्तान चीन का इतना ऋणी है कि 27 बिलियन अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय ऋण में से लगभग 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर चीनी ऋण ही है । पाकिस्तान का कुल विदेशी कर्ज 126.3 अरब डॉलर है । पाकिस्तान का कुल सार्वजनिक ऋण और देनदारियां लगभग 222 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है जो कि पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद का 393.7 प्रतिशत है ।

पाकिस्तान के लोगों को समझना होगा कि सरकारों के बदलने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है । पाकिस्तान को बचाने का एक ही रास्ता है कि वह अपनी नीतियों को ठीक करे, अपने वित्तीय अनुशासन को संभाले, प्रतिरक्षा पर फिजूलखर्ची से बचे, अपने उद्योगों को बचाने की तरफ ध्यान दे, चीन के चंगुल से बाहर आए और भविष्य की चीन–पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर की बाकी बची परियोजनाओं को सिरे से 'खारिज कर दे ।

पाकिस्तान धनाभाव के चलते अपनी जरूरतों के अनुसार नहीं बल्कि किसी विदेशी शक्ति (चीन) के इशारे पर बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, जिससे उसको फायदा तो कम हो रहा लेकिन कर्ज का बोझ इतना बढ़ गया है कि उसको चुकाना पाकिस्तान के बूते से बाहर हो गया । 'चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' (सीपीईसी) इसका जीता जागता उदाहरण है । यह चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' का हिस्सा है । कुछ बिजली संयंत्र भी इस परियोजना के हिस्से हैं । पाकिस्तान की समस्या उन ऋणों के कारण है जो उनके उस बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए हैं जो पाकिस्तानियों के लिए किसी काम के नहीं थे । वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान के पास पर्याप्त ग्रिड कनेक्टिविटी ही नहीं है, इसलिए सीपीईसी की बिजली परियोजना पाकिस्तान के किसी काम की नहीं । उसी तरह से अन्य प्रकार का इंफ्रास्ट्रक्चर भी पाकिस्तान के लिए पर्याप्त धन जुटाने में अपर्याप्त है । इस ऋण ने केवल पाकिस्तान के लिए भुगतान संतुलन की समस्याएं पैदा की और पाकिस्तानी मुद्रा का अभूतपूर्व मूल्यह्रास हुआ । आज, पाकिस्तान की विनिमय दर 261.7 पाकिस्तानी रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर है । पाकिस्तान चीन का इतना ऋणी है कि 27 बिलियन अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय ऋण में से लगभग 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर चीनी ऋण ही है । पाकिस्तान का कुल विदेशी कर्ज 126.3 अरब डॉलर है ।

केरल हाईकोर्ट ने देवीकुलम के माकपा विधायक ए. राजा को ठहराया अयोग्य

कोच्चि ,(एजेंसी)। केरल उच्च न्यायालय ने सोमवार को माकपा विधायक ए. राजा को अयोग्य घोषित कर दिया। जांच में यह पाया गया कि वह अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित नहीं हैं, जिसके लिए इडुक्की के पहाड़ी जिले में देवीकुलम विधानसभा क्षेत्र आरक्षित है। राजा के खिलाफ मामला कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ उम्मीदवार डी. कुमार ने दायर किया था। कुमार अप्रैल 2021 के केरल विधानसभा चुनाव में राजा से 7,848 वोटों से हार गए थे। कुमार ने आरोप लगाया था कि राजा परिवर्तित ईसाई समुदाय से हैं और उन्होंने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित विधानसभा सीट के लिए खुद को चुनाव लड़ने के योग्य बनाने के लिए फर्जी प्रमाण पत्र जमा किया था। फैसले के परिणामस्वरूप, राजा वर्तमान विधानसभा सत्र में भाग नहीं ले सकते। इससे सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चे की ताकत 140 सदस्यीय केरल विधानसभा में 99 से घटकर 98 हो गई है।

सारण में बोरी में बंद दो लोगों का शव बरामद

छपरा, एजेंसी बिहार में सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र से पुलिस ने सोमवार को बोरी में बंद दो लोगों का शव बरामद किया। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि स्थानीय लोगों से मिली सूचना के आधार पर गुलरिया घाट के समीप सड़क किनारे दो बोरी में बंद दो लोगों का शव बरामद किया गया है। मृतकों की पहचान नहीं की जा सकी है। सूत्रों ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

नहीं होगी लिव इन रिलेशनशिप की रजिस्ट्रेशन, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। लिव इन रिलेशन के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था बनाने की मांग सुप्रीम कोर्ट ने आज खारिज कर दी। कोर्ट ने इसे अव्यवहारिक बताया है। याचिका में श्रद्धा वालकर और निक्की यादव हत्याकांड का हवाला दिया गया था। इसमें कहा गया था कि गोपनीय तरीके से चल रहे ऐसे संबंध लगातार जघन्य अपराध की वजह बन रहे हैं। याचिका में कहा गया था कि गोपनीय तरीके से चल रहे ऐसे संबंध लगातार जघन्य अपराध की वजह बन रहे हैं। लिव इन पार्टनर्स की सुरक्षा के लिए उनके संबंध की जानकारी पुलिस के पास होना ज़रूरी है। सुप्रीम कोर्ट की वकील ममता रानी की याचिका में लिव इन में रह रहे लोगों की संख्या की जानकारी जुटाने की भी मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की दलील थी लिव इन रिलेशंस की संख्या की जानकारी के बारे में दलील दी थी कि यह जानकारी तभी मिल सकेगी जब लिव इन रिलेशन का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया जाएगा।

54 की उम्र में थोनदार बना बॉडी बिल्डर, जीता चैम्पियन ऑफ चैम्पियन का अवॉर्ड

इंदौर,(एजेंसी)। स्वच्छता में नंबर वन शहर इंदौर अब फिटनेस में नंबर वन बनने की दौड़ में है। यहां के रहवासी और अधिकारी सब फिटनेस के लिए जागरुक हो रहे हैं। ऐसे ही एक उदाहरण है संयोगितागंज थाने के टीआई तहजीब काजी। अपनी फिटनेस के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं और हाल ही में उन्होंने बॉडी बिल्डिंग प्रतिस्पर्धा में उतरकर सभी को चौंका दिया। इसमें वे चैम्पियन ऑफ चैम्पियन के अवॉर्ड से नवाजे गए। वे मास्टर (सीनियर) ग्रुप में प्रथम स्थान पर रहे।

अमेरिका में भारतीय दूतावास पर खालिस्तान समर्थकों का हमला

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। लंदन के बाद सैन फ्रांसिस्को में भी खालिस्तान समर्थकों ने अपना दुस्साहस दिखाया है। यहां रविवार रात को खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के समूह ने भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला करके उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। खालिस्तान समर्थकों की ये कार्रवाई 'वारिश पंजाब दे' संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह के समर्थन में की जा रही है। साथ ही पंजाब में अमृतपाल सिंह के सहयोगियों की गिरफ्तारी के विरोध में इमारत के बाहर खालिस्तानी झंडे भी लहराए। हालांकि इस घटना पर सैन फ्रांसिस्को पुलिस की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई थी।

जानकारी के मुताबिक, खालिस्तान समर्थकों ने नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने अस्थाई सुरक्षा व्यवस्था को धवस्त करते हुए वाणिज्य दूतावास परिसर के अंदर दो तथाकथित खालिस्तानी झंडे लगाए। हालांकि वाणिज्य दूतावास के दो कर्मचारियों ने जल्द ही इन झंडों को हटा दिया। इस दौरान गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने वाणिज्य दूतावास परिसर में प्रवेश किया और अपने हाथों में लगी छड़ों से दरवाजे और खिड़कियों पर हमला बोल दिया।

भारतीय-अमेरिकियों ने इसकी कड़ी निंदा की है। साथ ही इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग भी की है। भारतीय अमेरिकी समुदाय के नेता अजय भूटोरिया ने सैन फ्रांसिस्को में भारत के वाणिज्य दूतावास भवन पर खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि हिंसा का यह कृत्य न केवल अमेरिका और भारत के बीच राजनयिक संबंधों के लिए खतरा है, बल्कि हमारे समुदाय की शांति और सद्भाव पर भी हमला है।

भूटोरिया ने स्थानीय अधिकारियों से इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने और उन्हें न्याय दिलाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं अपने समुदाय के सभी सदस्यों से एकजुट का भी आग्रह किया।

वहीं, खालिस्तान समर्थकों के हमले को लेकर फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने भी नाराजगी जताई है। एफआईआईडीएस ने कहा है कि हम लंदन के साथ-साथ एसएफओ में भी पूरी तरह से कानून व्यवस्था की विफलता से चकित हैं। जहां कुछ कट्टरपंथी अलगाववादियों ने भारत के राजनयिक मिशनों पर हमला किया है। [illegible] ने कहा कि यह देखना बेहद चिंताजनक है कि ब्रिटेन और अमेरिका राजनयिक मिशनों की सुरक्षा के लिए वियना कन्वेंशन के अनुसार प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहे हैं।

एफआईआईडीएस ने मांग करते हुए कहा कि हम डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ([illegible]), इक और [illegible] जैसे कानून और व्यवस्था संस्थानों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करेंगे कि संयुक्त राज्य अमेरिका में आतंकवाद को कोई जगह और समर्थन न मिले। साथ ही उसने यह भी कहा कि झूठे प्रचार के साथ सिख कट्टरपंथ को भड़काने और फंडिंग करने के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई है।

ऑस्ट्रेलियाई संसद के बाहर भी जमावड़ा

वहीं, दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा में कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह और उनके सहयोगियों पर पंजाब पुलिस की कार्रवाई के विरोध में खालिस्तान समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया। यहां खालिस्तान समर्थक ऑस्ट्रेलियाई संसद के बाहर एकत्र हुए और जमकर नारेबाजी की।

एयर इंडिया पेशाब मामला

अनियंत्रित व्यवहार पर दिशानिर्देश के लिए पीड़िता ने किया एससी का रुख

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया में पेशाब करने के मामले में पीड़ित ने सुप्रीम कोर्ट का रुख कर नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) और एयरलाइन कंपनियों को निर्देश देने की मांग की कि विमान में सवार यात्रियों के दुर्व्यवहार की घटनाओं से निपटने के लिए नियम बनाए जाएं। पीड़ित ने स्पष्ट जीरो-टोलरेंस की नीति पर जोर दिया और कहा कि ऐसे नियम हों जिसमें कानून प्रवर्तन को रिपोर्ट करना अनिवार्य हो, विफल होने पर सभी मामलों में एयरलाइनों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत से मीडिया को कार्यवाही पर रिपोर्टिंग करने से रोकने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि फ्लाइट में अत्यधिक शराब परोसे जाने के बाद एक अनियंत्रित यात्री ने याचिकाकर्ता पर पेशाब करने के बाद, नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करने में विफल रहा है। याचिका में कहा गया है कि अनुमानों से भरी व्यापक राष्ट्रीय प्रेस रिपोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत पीड़ित के रूप में याचिकाकर्ता के अधिकार को गंभीर रूप से कम कर दिया है और निष्पक्ष रूप से अभियुक्तों के अधिकारों को भी प्रभावित किया है।

अधिवक्ता राहुल नारायण के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया, याचिकाकर्ता की एयर सेवा शिकायत के चयनात्मक रूप से लीक होने, प्राथमिकी और एक विशिष्ट कथा से मेल खाने के लिए चुनिंदा गवाहों के बयान मीडिया को जारी किए जाने के कारण स्वतंत्र और निष्पक्ष सुनवाई के उनके अधिकार भी काफी हद तक प्रभावित हुए हैं।

कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर के साथ बैठक के बाद किसानों का ऐलान, 20 दिन बाद करेंगे बड़ा आंदोलन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। किसान नेताओं की कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ बैठक खत्म हो गई है। बैठक के बाद किसान नेता डॉ. दर्शन पाल ने कहा ये सरकार आंदोलन के बिना हमें एमएसपी नहीं देगी। इसके अलावा उन्होंने कहा यदि हमारी बात नहीं मानी गई तो आने वाले 20-21 दिनों में बड़ा आंदोलन करेंगे।

किसान नेता राकेश टिकैत ने एक मीडिया चैनल से बात करते हुए कहा कि हमने एमएसपी कमेटी की मांग नहीं की है, हमने एमएसपी गारंटी कानून बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस बारे में संसद में बिल पेश करना चाहिए और इस पास करना चाहिए। दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले महापंचायत कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान में 2,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनाती कर दी है। किसानसंयुक्त किसान मोर्चा की ओर से कहा गया है कि मोदी सरकार 9 दिसंबर 2021 को दिए गए लिखित आश्वासन को पूरा करें। साथ ही देश के किसानों के सामने बढ़ते संकट को दूर करने के लिए जरूरी कदम उठाए। मोर्चा ने एमएसपी पर गठित समिति को किसानों की मांग के विपरीत बताते हुए भंग करने की मांग की। इसके अलावा किसानों को पेंशन देने, कर्ज माफ करने, गांवों में सभी घरों को हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने, किसान आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों को मुआवजा देने और संयुक्त संसदीय समिति को भेजे गए बिजली संशोधन विधेयक-2022 को वापस लेने की मांग की है।

राष्ट्रीय धरोहर घोषित हो सकता है राम सेतु, सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। सुप्रीम कोर्ट इस संबंध में सरकार को निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। यह याचिका भाजपा के पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने दायर की है। देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि हम इस पर शीघ्र सुनवाई करेंगे। इससे पहले 19 जनवरी को केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को दिए हलफनामे में कहा था कि रामसेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की प्रक्रिया पर संस्कृति मंत्रालय लगातार काम कर रहा है।

वैज्ञानिकों को बड़ी कामयाबी

मंगल ग्रह पर घर बनाने के लिए बनाई कॉस्मिक कंक्रीट

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन में वैज्ञानिकों की एक टीम ने स्टारक्रीट नाम से एक नई सामग्री बनाई है, जो अतिरिक्त-स्थलीय धूल, आलू के स्टार्च और एक चुटकी नमक से बनाई गई है और इसका इस्तेमाल मंगल ग्रह पर घर बनाने के लिए किया जा सकता है। अंतरिक्ष में बुनियादी ढांचे का निर्माण वर्तमान में निषेधात्मक रूप से महंगा है और इसे हासिल करना मुश्किल है।

लेकिन, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय की टीम के अनुसार, स्टारक्रीट एक संभावित समाधान पेश करता है। उन्होंने नकली मंगल ग्रह की मिट्टी को आलू के स्टार्च और एक चुटकी नमक के साथ मिलाकर ऐसी सामग्री बनाई जो साधारण कंक्रीट से दोगुनी मजबूत है और अतिरिक्त-स्थलीय वातावरण में निर्माण कार्य के लिए पूरी तरह से अनुकूल है।

जर्नल ओपन इंजीनियरिंग में प्रकाशित एक लेख में शोध दल ने प्रदर्शित किया कि साधारण आलू स्टार्च एक ठोस जैसी सामग्री का उत्पादन करने के लिए नकली मंगल की धूल के साथ मिश्रित होने पर एक बांधने वाले के रूप में कार्य कर सकता है।

जब परीक्षण किया गया, तो स्टारक्रीट की कंप्रेसिव स्ट्रेंथ 72 मेगापास्कल (एमपीए) थी, जो सामान्य कंक्रीट में देखे जाने वाले 32 एमपीए से दोगुनी ताकत थी। चांद की धूल से बनी स्टारक्रीट 91 एमपीए से भी ज्यादा मजबूत थी।

यह काम उसी टीम के पिछले काम पर सुधार करता है जहां उन्होंने बाध्यकारी एजेंट के रूप में अंतरिक्ष यात्रियों के खून और मूत्र का इस्तेमाल किया था, जबकि परिणामी सामग्री में लगभग 40 एमपीए की संपीडन शक्ति थी, जो सामान्य कंक्रीट से बेहतर है, इस प्रक्रिया में नियमित आधार पर रक्त की आवश्यकता जैसी खामी थी।

राहुल को दिल्ली पुलिस के नोटिस पर उठे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी के घर पहुंची दिल्ली पुलिस अब वापस लौट चुकी है। उन्हें राहुल गांधी से पूछताछ के लिए दो घंटे का इंतजार करना पड़ा। इसके बाद भी दिल्ली पुलिस को उन प्रश्नों का उत्तर नहीं मिला, जिसके लिए वह राहुल गांधी के घर पहुंची थी। कांग्रेस नेता ने उत्तर देने के लिए कुछ और समय मांगा है। कांग्रेस ने इसे 'बदले की राजनीति' और उनके नेताओं को 'डराने' की कोशिश करार दिया है। बड़ा प्रश्न है कि इस पूछताछ का असली उद्देश्य क्या है? राहुल गांधी को गिरफ्तार करने की तैयारी है या जिस भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस की छवि मजबूत हुई थी, उसे पंचर करने की तैयारी है?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के समापन अवसर पर 30 जनवरी को श्रीनगर में भाषण देते हुए कहा था कि यात्रा के दौरान उनसे कई महिलाएं मिलीं और उन्होंने अपने साथ यौन शोषण होने की शिकायत की। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि वह समझना चाहती है कि क्या दिल्ली में भी किसी महिला ने उनसे ऐसी शिकायत की थी। यदि ऐसा है तो वह इन मामलों की जांच करना चाहती है। लेकिन इस मामले पर दिल्ली पुलिस की अतिसंवेदनशीलता पर सवाल उठ रहे हैं।

दरअसल, कांग्रेस नेताओं के साथ-साथ कई राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस की छवि मजबूत हुई है। इससे राहुल गांधी भी ज्यादा परिपक्व और विश्वसनीय नेता के तौर पर उभरे हैं। यही कारण है कि इस यात्रा की सफलता से उत्साहित कांग्रेस ने शीघ्र ही भारत जोड़ो यात्रा 2.0 निकालने की घोषणा कर दी है। इस चरण में पूरब से लेकर पश्चिम तक के राज्यों को कवर करने की तैयारी है। यदि इस चरण में भी कांग्रेस की रणनीति सफल रही तो उसे इसका लाभ मिल सकता है। इससे कांग्रेस को पूर्वोत्तर के राज्यों के साथ-साथ बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और गुजरात में अपनी जड़ें मजबूत करने का अवसर मिल सकता है। इस पूरी यात्रा का उद्देश्य 2024 का लोकसभा चुनाव माना गया था।

यही कारण है कि कुछ राजनीतिक विश्लेषक दावा कर रहे हैं कि एक सोची-समझी रणनीति के अंतर्गत 'भारत जोड़ो यात्रा' की छवि को पंचर करने की कोशिश की जा रही है। चर्चा है कि यह पूरी तरह से अगले लोकसभा चुनाव को लेकर लड़ी जा रही राजनीतिक लड़ाई है, जिसमें दोनों पक्षों का उद्देश्य अपनी छवि मजबूत करना और विपक्षी दल की छवि खराब करना है। दिल्ली पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई इसमें एक मोहरे के तौर पर काम कर रहे हैं। चूंकि, राहुल गांधी और सोनिया गांधी सहित कांग्रेस के कई शीर्ष नेताओं को नेशनल हेराल्ड सहित कई मामलों में कोर्ट का सामना करना पड़ा है, लेकिन इन मामलों में अब तक किसी नेता को सजा नहीं हुई है, लिहाजा इस बात की संभावना न के बराबर ही है कि केवल एक बयान के सहारे राहुल गांधी पर शिकंजा कसा जा सके। भारत जोड़ो यात्रा की घटना को उठाकर ही प्रश्न खड़े करने से उस छवि को नुकसान पहुंच सकता है, जिसे इस यात्रा का हासिल बताया गया था। लिहाजा दावा किया जा रहा है कि इस पूछताछ के निशाने पर भारत जोड़ो यात्रा ही है।

कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप

ऑल इंडिया कांग्रेस दलित महिला कांग्रेस की नेता रितु चौधरी ने अमर उजाला से कहा कि इसी दिल्ली में अनेक महिलाओं से दुष्कर्म होते हैं, सरेराह महिलाओं को छेड़खानी का सामना करना पड़ता है, लेकिन किसी पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलता। ज्यादातर अवसरों पर देखा जाता है कि दिल्ली पुलिस ऐसे मामलों में संवेदनहीन बनी रहती है और अपराधियों के हौसले बुलंद होते रहते हैं। ऐसे में उसी दिल्ली पुलिस की केवल एक बयान पर ज्यादा संवेदनशील होना उसकी मंशा पर प्रश्न खड़े करता है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस किसी महिला उत्पीड़न के मामले की जांच नहीं करना चाहती, बल्कि इसके जरिए राहुल गांधी को डराने, धमकाने और उन्हें रोकने की कोशिश की जा रही है। इसके पहले भी कई जांच के बहाने गांधी परिवार को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई थी, लेकिन हर जांच में वे बेदाग निकले। उन्होंने कहा कि इस बार भी उन पर कोई आंच नहीं आएगी, लेकिन इससे भाजपा जनता के बीच बेनकाब हो रही है और लोगों को यह समझ आ रहा है कि राजनीतिक लाभ के लिए हर जांच एजेंसी का बेशर्मी से दुरुपयोग किया जा रहा है।

100 से ज्यादा शवों के साथ शख्स ने किया रेप, वीडियो बना घर में रखे थे फोल्डर

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन में एक बड़ा मामला सामने आया है जो आप जानकर हैरान रह जाएंगे। आपको बता दें, ब्रिटेन में एक शख्स ने 100 से ज्यादा शवों के साथ रेप किया है। यह शव अस्पताल के मोर्चरी में रखे हुए थे। शख्स ने बताया कि मोर्चरी में सीसीटीवी न होने के कारण यह इस वारदात को अंजाम देता था, यही नहीं शख्स शवों के साथ रेप करने के दौरान उसकी वीडियो भी बनाता था। शख्स ने कुछ के नाम से फोल्डर बनाए हुए थे उसमें वीडियो थी। शख्स ब्रिटेन के अस्पताल में इलेक्ट्रीशियन के तौर पर काम करता था और इसका नाम डेविड फुलर है।

68 साल का डेविड फुलर दो युवतियों की हत्या और यौन शोषण के लिए उम्रकैद की सजा काट रहा है। पिछले साल नवंबर में उसने 23 और महिलाओं के शवों के साथ यौन शोषण का गुनाह कबूल किया। उसने माना कि 13 सालों के दौरान उसने ये कुकर्म किए। इस मामले में उसे चार साल की सजा सुनाई गई है। इससे पहले उसे 78 शवों के साथ यौन उत्पीडऩ के आरोप में 12 साल जेल की सजा सुनाई जा चुकी है।

साल 2020 में जब पुलिस 30 सालों से अधिक समय तक अनसुलझे हत्या के मामले की जांच के लिए उसके घर पहुंची तो वहां उसे जो बरामद हुआ, उसने उन्हें हैरान कर दिया। यहां पहुंचने के बाद पुलिस को डेविड के अपराधों के सबूत मिले पुलिस को पता चला कि वो लड़कियों के शवों के साथ यौन शोषण करता था और उसके पास इस जघन्य अपराध के फोटो और वीडियो भी थे।

विपक्षी दलों ने संसद के मौजूदा सत्र के लिए आगे की रणनीति पर चर्चा की

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए आगे की रणनीति पर सोमवार को चर्चा की. सूत्रों के अनुसार, ये विपक्षी दल विभिन्न केंद्रीय एजेंसी के कथित दुरुपयोग और अडाणी समूह से जुड़े कथित घोटाले के मामले पर इस सत्र में सरकार को घेरने को लेकर एकजुट हैं. कांग्रेस के सदस्य 'भारत जोड़ो यात्राइ के दौरान राहुल गांधी द्वारा दिए बयान को लेकर दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के उनसे आवास पर पहुंचने से जुड़े विषय को भी उठा सकते हैं. राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के संसद भवन स्थित कक्ष में हुई बैठक में खरगे के अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के सी वेणुगोपाल एवं जयराम रमेश, द्रविड़ मुनेत्र कषगम के टी आर बालू, शिवसेना के संजय राउत और कई अन्य दलों के नेता शामिल हुए. इस बीच, राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी और कई अन्य सदस्यों ने अडाणी समूह के मामले में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग करते हुए कार्यस्थगन के नोटिस दिए.

बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में 47.1 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क, ईडी ने की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीएमएलए अधिनियम के प्रावधानों के तहत रोजरी एजुकेशन ग्रुप और उसके भागीदारों विनय अरन्हा और विवेक अरन्हा की 47.1 करोड़ रुपये की चार अचल संपत्तियों को कुर्क किया है।

ईडी ने पुणे पुलिस द्वारा कॉसमॉस बैंक के शिवाजी विल काले की शिकायत पर विनय अरन्हा और विवेक एंथनी अरन्हा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बाद जांच शुरू की, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने संपत्ति के फर्जी दस्तावेज जमा करके कॉसमॉस बैंक से 20.44 करोड़ रुपये का ऋण लिया था।

ईडी ने कहा कि इसकी जांच से पता चला है कि आरोपियों ने 2013-14 में कॉसमॉस कोऑपरेटिव बैंक पुणे से कार लोन सहित कई लोन्स प्राप्त किए थे, बंधक के लिए गढ़े हुए संपत्ति के दस्तावेज जमा करके और लोन प्राप्त करने के लिए इनका अत्यधिक मूल्यांकन किया था, जिसके लिए वे अन्यथा अयोग्य थे।

विनय अरन्हा ने फर्जी कार्य चालान (रोजरी स्कूलों के नवीनीकरण की आड़ में) प्रस्तुत किया और फर्जी विक्रेताओं को ऋण वितरित किया, जिसे तुरंत नकद में वापस ले लिया गया और उसे वापस कर दिया गया। ईडी ने कहा कि उन्होंने फंड ट्रेल जांच भी की और पाया कि विनय अरन्हा ने ऋणों को डायवर्ट किया और करोड़ों रुपये नकद प्राप्त किए। उन्होंने पैरामाउंट इंफ्रास्ट्रक्चर, शब्बीर पाटनवाला, अश्विन कामत, दीप्ति एंटरप्राइजेज और अन्य को 34 करोड़ रुपये की ऋण राशि वितरित की।अधिकारी ने कहा, इन सभी तथाकथित वेंडर्स ने स्वीकार किया है कि उन्होंने कोई काम नहीं किया और अरन्हा को कैश लौटा दिया। बार-बार मौका देने के बावजूद विनय अरन्हा ने कैश के इस्तेमाल का कोई हिसाब नहीं दिया है।

भारत में पिछले 24 घंटों में कोविड के 918 नए मामले, 4 की मौत

नई दिल्ली,(एजेंसी))। भारत में सोमवार को बीते 24 घंटों में कोविड-19 के 918 नए मामले दर्ज किए गए। सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 6,350 हो गई है। सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। इस बीच, देश में कोरोना से चार संक्रमित मरीजों की मौत हुई, जिनमें से दो राजस्थान में, और एक-एक कर्नाटक और केरल में हुई है। मरने वालों की कुल संख्या 5,30,806 हो गई है। वहीं कोरोना से 479 मरीज एक दिन में ठीक भी हुए हैं।

मुझे बाहर करने का गुजरात टाइंटस ने जो कारण दिया, उससे हैरान हूं : डोटिन

नयी दिल्ली,। वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डोटिन ने महिला प्रीमियर लीग से बाहर रहने पर निराशा जताते हुए कहा कि इसके लिये गुजरात जाइंट्स ने जो कारण बताया, वह हैरान करने वाला है।

वेस्टइंडीज की 31 वर्ष की हरफनमौला डोटिन को अडानी समूह की टीम ने 60 लाख रूपये में खरीदा था लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उन्हें चिकित्सा कारणों से बाहर कर दिया गया।

जाइंट्स ने कहा डोटिन निर्धारित समय सीमा तक चिकित्सा मंजूरी नहीं ले सकी जिसकी वजह से उनकी जगह आस्ट्रेलिया की किम गार्थ को शामिल किया गया।

डोटिन ने हालांकि ट्विटर पर कहा, मैं पहली महिला प्रीमियर लीग से मेरे बाहर होने को लेकर लग रही अटकलों पर संक्षिप्त बयान देना चाहती हूं। मैं इस सबसे बहुत निराश हूं। मेरे बाहर होने का जो कारण बताया, वह हैरान करने वाला है।

उन्होंने कहा, अडानी समूह की गुजरात जाइंट्स टीम ने लीग की नीलामी में मुझे खरीदा था। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले फ्रेंचाइजी ने दावा किया कि मुझे चिकित्सा कारणों से बाहर रखा गया है। इसके बाद कहा गया कि मैं चिकित्सा मंजूरी नहीं ले सकी जबकि 20 फरवरी को ही मुझे वह मिल गई थी। वेस्टइंडीज के लिये 143 वनडे और 127 टी20 खेल चुकी डोटिन ने कहा कि वह टीम प्रबंधन के फैसले से हैरान है।

उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मेरे पेट में हलका दर्द था और सूजन हो गई थी। मैने दिसंबर 2022 में इलाज कराया। इसके बाद विशेषज्ञों को दिसंबर और जनवरी में दिखाया। मुझे 13 फरवरी तक आराम के लिये कहा गया था और 14 फरवरी से मुझे फिटनेस गतिविधियों और खेलने की अनुमति मिल गई।

डोटिन ने कहा, मैने अभ्यास शुरू कर दिया।गुजरात जाइंट्स के फिजियो के साथ मैने पूरी ईमानदारी से सारी जानकारी साझा की लेकिन उसे तोड़ मरोड़कर पेश करके टीम प्रबंधन को बताया गया कि अभ्यास सत्र के बाद मुझे पेट में दर्द उठा है जबकि ऐसा नहीं था। बाद में टीम ने मुझे कनाडा में जांच कराने को कहा। मैने अपने डॉक्टर इयान लुईस से 20 फरवरी को मिली मंजूरी भी टीम को दी थी।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम के नाम हुआ अब तक का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड

विशाखापट्टनम, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए दूसरे वनडे मैच में भारत को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। ऐसी हार अब तक भारतीय टीम ने कभी नहीं झेली थी जो अब रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया को झेलनी पड़ी है। ये टीम इस वर्ष वनडे वर्ल्ड कप और खेलेगी। ऐसे में इस टीम से पूरे देश को आशा है।

भारतीय टीम को रविवार को विशाखापट्टनम में खेले गए दूसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया से 10 विकेट से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत के नाम विशाखापट्टनम में एक शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। टीम इंडिया के लिए घरेलू वनडे मैच में ये सबसे बड़ी हार है।

आपकों बता दे की भारतीय टीम मैच में केवल 117 रन पर ही ऑलराउट हो गई। जवाब में कंगारू टीम ने बिना विकेट गंवाए ये लक्ष्य हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने ये मैच 234 गेंद शेष रहते ही जीत लिया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने 2019 के हैमिल्टन वनडे में 212 गेंद शेष जीत दर्ज की थी।

विराट–राहुल के बाद बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेने पहुंचा एक और भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली, आईपीएल के 16वें सीजन के आगाज की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। 31 मार्च से शुरू होने वाली इस लीग के लिए 10 टीमें जोरों–शोरों से तैयारियों में जुटी है। इस बीच आईपीएल से पहले भारतीय टीम के अनुभवी स्टार गेंदबाज उमेश यादव ने 20 मार्च को बाबा महाकाल के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया।

बता दें कि आईपीएल के आगामी सीजन में उमेश केकेआर टीम की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे, लेकिन पिछले कुछ समय पहले उनपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। उन्होंने 23 फरवरी को अपने पिता को खोया। उस वक्त वह बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी खेल रहे थे।

दरअसल, टीम इंडिया के तेज गेंदबाज उमेश यादव (वींरॅं ि५) 20 मार्च को महाकाल भस्म आरती में शामिल हुए। भस्माआरती के बाद वह गर्भगृह में पहुंचे और जलाभिषेक कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। ऐसे में आईपीएल 2023 से पहले उमेश की पूजा अर्चना की तस्वीरें तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

बाबा महाकाल के दर्शन के बाद उमेश ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बाबा से उन्होंने देश दुनिया में सुख शांति बने रहने की प्रार्थना की। बाबा महाकाल से उन्होंने सभी की मनोकामना पूर्ण होने की भी दुआ मांगी।

बता दें कि टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से पहले जनवरी 2023 में महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंचे थे। इसके बाद न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सूर्या ने आतिशी पारी खेली थी।

टीम इंडिया के अर्शदीप सिंह ने ले लिया अब बड़ा फैसला, दूसरे देश में खेलते आएगा नजर

नईदिल्ली, । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अभी तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है और दोनों टीमें इस सीरीज में 1–1 से बराबरी पर है।

ऐसे में अगला मैच दोनों टीमों के लिए ही महत्वपूर्ण रहने वाला है। लेकिन इस बीच ही टीम के एक खिलाड़ी ने बड़ा फैसला लिया है।

टीम इंडिया का घातक तेज गेंदबाज वैसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस सीरीज में अपनी जगह नहीं बना सका लेकिन ये खिलाड़ी अब दूसरे देश में खेलता हुआ नजर आएगा। जी हां हम बात कर रहे है तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बारे में। जो अब इंग्लैंड के आगामी काउंटी सीजन में केंट की टीम के लिए काउंटी चैंपियनशिप के पांच मुकाबले खेलेंगे।

करुणारत्ने ने श्रीलंका क्रिकेट को दिया करारा झटका, कप्तानी छोड़ने का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली, दिमुथ करुणारत्ने ने अगले महीने आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद श्रीलंकाई टीम की कप्तानी छोड़ने की बात कही है। दिमुथ करुणारत्ने की इस समय श्रीलंकाई चयनकर्ताओं से बातचीत चल रही है, जिन्होंने उनके इस्तीफे को अब तक स्वीकार नहीं किया है। श्रीलंका को हाल ही में न्यूजीलैंड के हाथों दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0–2 का क्लीन स्वीप झेलना पड़ा।

दिमुथ करुणारत्ने चार साल से श्रीलंकाई टेस्ट टीम की कमान संभाले हुए हैं। जून के बाद नई विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत होगी। अप्रैल में करुणारत्ने 35 साल के हो जाएंगे। ऐसे में वो अगले चक्रके लिए नए कप्तान को जिम्मेदारी सौंपना चाहते हैं। आयरलैंड के खिलाफ श्रीलंका की टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं होगी।

करुणारत्ने ने क्या कहा

दिमुथ करुणारत्ने ने कहा, 'मैंने आयरलैंड सीरीज के बाद कप्तानी छोड़ने के बारे में चयनकर्ताओं से बातचीत की है। अगली डब्ल्यूटीसी साइकिल में आपके पास दो साल होंगे। मेरे ख्याल से यह सही समय होगा जब नया कप्तान बनाया जाए और पूरे समय वो टीम की अगुवाई करे। मैंने इस बारे में चयनकर्ताओं से बातचीत की है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। मेरी प्राथमिकता अगली सीरीज के बाद नए कप्तान को जिम्मेदारी सौंपना है।'करुणारत्ने ने श्रीलंकाई टीम की कमान खराब समय में संभाली और टीम को पटरी पर लेकर आए। कप्तान के रूप में उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि 2019 में दक्षिण अफ्रीका में 2–0 से सीरीज जीतना है। वो कप्तान के रूप में उनकी पहली भूमिका थी। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के अलावा किसी टीम ने दक्षिण अफ्रीका को उसके घर में मात नहीं दी थी।

करुणारत्ने ने कहा, 'मैंने आठ महीने के बाद टेस्ट खेला।

फिल्मी सफर

मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर मारी बाजी, ज्विगाटो को पछाड़ा

बीते दिन यानी शुक्रवार को बॉक्स ऑफिस पर रानी मुखर्जी की मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे और कपिल शर्मा की ज्विगाटो ने दस्तक दी। दोनों ही फिल्मों के ट्रेलर को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और इनका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। दमदार मां के किरदार में रानी ने सबका दिल जीत लिया है, तो कपिल भी डिलीवरी बॉय बनकर छा गए हैं। आइए जानते हैं बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन किस फिल्म ने कितनी कमाई की है।

आशिमा छिब्बर के निर्देशन में बनी यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। इसमें सागरिका चटर्जी के नॉर्वे सरकार से अपने बच्चों को वापस पाने के लिए संघर्ष की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में रानी देबिका के किरदार में नजर आई हैं और अपने बच्चों की खातिर पूरे देश के खिलाफ अकेले लड़ाई लड़ती हैं। फिल्म के कारोबार की बात करें तो अभी तक आए आंकड़ों के अनुसार, यह पहले दिन 1.27 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही है। नंदिता दास की फिल्म ज्विगाटो में कॉमेडियन कपिल एक अलग ही किरदार में नजर आए हैं। कोरोना वायरस के बाद लगे लॉकडाउन में नौकरी जाने के बाद डिलीवरी बॉय का काम करने पर मजबूर हुए इस शख्स की कहानी लोगों को पसंद आ रही है। हालांकि, पहले दिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कमाई करने में सफल नहीं हो पाई है और इसने महज 40 लाख रुपये का कारोबार किया है।फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के अनुसार, मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे दुनियाभर में 1,045 स्क्रीन पर रिलीज हुई है। इनमें भारत के 120 शहरों में 535 स्क्रीन और 43 देश में 510 विदेशी स्क्रीन हैं, वहीं ज्विगाटो भारत में 409 स्क्रीन पर रिलीज हुई है।भले ही बॉक्स ऑफिस पर कपिल की फिल्म की शुरुआत अच्छी नहीं हुई है, लेकिन उनके अभिनय को सराहा जा रहा है। 17 मार्च को रिलीज हुई ज्विगाटो को कई फिल्म फेस्टिवल में भी लोगों की सराहना मिली है। इसका पिछले साल सितंबर में 47वें टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर और अक्टूबर में बुसान फिल्म फेस्टिवल में एशियन प्रीमियर हुआ था। इसके अलावा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ केरल में भी इसका प्रीमियर हुआ था।रानी और कपिल की फिल्म के अलावा सिनेमाघरों में इन दिनों रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की रोमांटिक–कॉमेडी तू झूठी मैं मक्कार भी लगी हुई है। फिल्म में रणबीर और श्रद्धा की जोड़ी को दर्शक पसंद कर रहे हैं और यह शुक्रवार को 3.50 करोड़ कमाने में सफल रही।

सलमान खान के फैंस के लिए आई खुशखबरी, एक्टर की नई फिल्म का हुआ ऐलान!

बॉलीवुड फिल्मों के जाने माने मशहूर अभिनेता सलमान खान को बड़ पर्दे पर देखने के लिए उनके प्रशंसकों की आंखें तरस गई हैं। दरअसल, बीते दो वर्षों से भाईजान की एक भी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हुई है। अंतिम बार उन्हें वर्ष 2021 में आई फिल्म अंतिम में देखा गया था।

हालांकि, इस बीच वह पठान और गॉडफादर में भी दिखाई दिए थे। मगर, इन फिल्मों में वह मात्र 20–30 मिनट के लिए पर्दे पर कैमियो करते नजर आए थे। यही वजह है कि उनके प्रशंसक उनकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक ओर, जहां इस वर्ष उनकी दो फिल्में किसी का भाई किसी की जान और टाइगर 3 रिलीज होने के लिए तैयार हैं। वहीं दूसरी ओर, उनकी नई फिल्म की घोषणा हो गई है।वही एक बार फिर सलमान खान प्रेम बन सिनेमाघरों में लोगों का मनोरंजन करने वाले हैं। मिल रही रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान और सूरज बडज़ात्या कुछ समय से फिल्म प्रेम की शादी पर चर्चा कर रहे हैं। वहीं, अब दोनों ने इस फिल्म पर काम आरम्भ करने का फैसला किया है। प्राप्त खबर के अनुसार, दोनों इस वर्ष नवंबर या दिसंबर से प्रेम की शादी की शूटिंग आरम्भ कर देंगे।

टिप टिप बरसा पानी पर रवीना ने एक बार फिर मटकाई कमर, नॉर्वेजियन बॉयज के साथ किया डांस

रवीना टंडन ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को कई सारी सुपहिट मूवीज भी दे डाली है। हाल ही में रवीना टंडन ने सोशल मीडिया पर अपने पॉपुलर गाने टिप टिप बरसा पानी पर डांस मूव्स को भी साझा किया है। अभिनेत्री को वीडियो में हिप–हॉप ग्रुप क्विक स्टाइल के साथ डांस करते हुए दख सकते है। साथ ही रवीना टंडन का यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी बहुत तेजी से वायरल होने लगा है।एक्ट्रेस रवीना टंडन का ये आइकॉनिक सॉन्ग बहुत ही पॉपुलर है। क्विक स्टाइल ग्रुप ने रवीना टंडन के हिट सॉन्ग टिप टिप बरसा पानी पर परफॉर्म भी करते हुए दिखाई दिए। फैंस को अभिनेत्री का ये वीडियो बेहद पसंद आने लगा है, क्योंकि, इस वीडियो के माध्यम वह रवीना को एक बार फिर टिप टिप बरसा पानी पर थिरकते हुए देख सके।रिपोर्ट्स के अनुसार, क्विक स्टाइल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा कर दिया है।वीडियो में अभिनेत्री ब्लैक टॉप और लाइट ब्लू जींस में बेहद खूबसूरत दिख रही है। दूसरी ओर, क्विक स्टाइल ग्रुप के सदस्य उनके साथ बहुत खुशी के साथ कदम मिलाते हुए दिखाई दे रहे है। वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा है। रवीना टंडन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह अगली बार संजय दत्त की मूवी घुड़चड़ी में दिखाई देने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ पार्थ समथान, खुशाली कुमार और अरुणा ईरानी भी लीड रोल में हैं।

अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन अगले साल सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन का नाम इंडस्ट्री के सबसे दमदार कलाकारों में शुमार है. अजय देवगन की सबसे बेहतरीन फिल्मों की बात की जाए तो उसमें सिंघम का नाम टॉप लिस्ट पर जरूर शामिल होगा. अब तक अजय सिंघम और सिंघम रिटर्न्स के जरिए दर्शकों को भरपूर मनोरंजन कर चुके हैं. बीते समय में डायरेक्टर रोहित शेट्टी अजय देवगन स्टारर सिंघम अगेन यानी तीसरे पार्ट का एलान कर चुके हैं. इस बीच अब सिंघम अगेन की रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है.

मशहूर फिल्म क्रिटिक्स तरण आदर्श की ओर से अजय देवगन की सिंघम अगेन की रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट मिला है. दरअसल तरण ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर कर ये जानकारी दी है कि डायरेक्टर रोहित शेट्टी और एक्टर अजय देवगन की आने वाली फिल्म सिंघम अगेन दिवाली 2024 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी. इससे पहले रोहित शेट्टी की कॉप स्पेशलिस्ट इस फ्रेंचाइजी के पिछले दो पार्ट्स सिंघम और सिंघम रिटर्न्स ने बॉक्स ऑफिस पर ताबडतोड़ कमाई की है. ऐसे में अब अगले साल दिवाली पर सिंघम अगेन किस तरह की प्रदर्शन करेगी, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा.तरण आदर्श ने अपने इस लेटेस्ट पोस्ट में सिंघम अगेन की शूटिंग को लेकर भी जानकारी दी है. जिसमें ये बताया है कि इस साल जुलाई के महीने से रोहित शेट्टी और अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन की शूटिंग शुरू हो जाएगी. ऐसे में सिंघम 3 को लेकर इस लेटेस्ट अपडेट ने यकीनन अजय देवगन के फैंस की एक्साइटमेंट को बड़ा दिया होगा. क्योंकि सुपरस्टार अजय देवगन को बाजीराव सिंघम के किरदार में देखना लोग काफी पसंद करते हैं.

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com